रांची, सोमवार, 17 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण शुक्ल 4 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 334, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ नाग पंचमी पारिस्थितिकी के पहरेदार

शिल्पा शेट्टी ने शेयर किया योगा का वीडियो ◂◂ 6

जेपीएससी- जेएसएससी आंदोलन

सरकार के साथ छात्रों की वार्ता आज, नतीजे पर सबकी निगाहें

वार्ता विफल रही तो 20 अगस्त को होगा मुख्यमंत्री आवास का घेराव

संवाददाता

रांची: आंदोलनरत छात्रों और सरकार के बीच आज दोपहर दो बजे स्टेट गेस्ट हाउस में वार्ता होगी। करीब 24 दिनों से चल रहे छात्र आंदोलन के बीच होने वाली इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। चार छात्र आमरण अनशन पर हैं। ऐसे में वार्ता के नतीजे पर छात्रों के साथ-साथ प्रशासन की भी नजर है। सरकार की ओर से मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, दीपिका पांडेय सिंह, चमरा लिंडा और संजय सिंह यादव वार्ता में शामिल होंगे। वहीं छात्रों की ओर से 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बातचीत में हिस्सा लेगा। प्रतिनिधिमंडल में एक कानूनी जानकार को भी शामिल किया गया है।

सरकार और छात्रों के बीच इससे पहले दो दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। विवाद मुख्य रूप से दो मांगों को लेकर है। छात्र जेपीएसएससी पेपर लीक मामले की जांच सीबीआइ से कराने और सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं। सरकार का कहना है कि जेपीएससी पेपर लीक मामले की जांच सीआईडी कर रही है। जांच के दौरान अब तक 20 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं सीजीएल परीक्षा रद्द करने को लेकर सरकार की ओर से कानूनी अड़चन का हवाला दिया जा रहा है। ऐसे में आज की वार्ता में इन्हीं दोनों मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश होगी।

वार्ता विफल हुई तो बढ़ेगी चुनौती: इधर, छात्रों ने 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास घेरने का एलान किया है। छात्र संगठनों ने राज्यभर के छात्रों से रांची पहुंचने की अपील की है। पिछले दिनों विधानसभा मार्च के दौरान भी बड़ी संख्या में छात्र जुटे थे। अगर आज की वार्ता बेनतीजा रहती है, तो 20 अगस्त को प्रस्तावित मुख्यमंत्री आवास घेराव प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आसपास के इलाकों में बैरिकेडिंग कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अब सभी की नजर आज होने वाली वार्ता और उसके नतीजे पर है।

पिठोरिया के बुचा घाटी में रफ्तार का कहर ट्रक ने कार और तीन बाइक को रौंदा, दो की मौत

रांची: जिला के पिठौरिया थाना क्षेत्र की बुचा घाटी में रविवार देर शाम हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इस हादसे में चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक कार और तीन मोटरसाइकिलों को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए रिम्स भेजा गया है। इनमें कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक मोटरसाइकिल ट्रक के अगले हिस्से में फंस गई और काफी दूरी तक सड़क पर घिसटती चली गई। मृतकों की पहचान 18 वर्षीय अंकित कुमार, 58 वर्षीय गोपाल राम के रूप में हुई है। वहीं दुर्घटना में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। चलती गाड़ी से फरार होने की कोशिश से हादसा बड़ा हो गया: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान एक बाइक ट्रक में फंस गई और काफी दूर तक घिसटती चली गई। घटना की सूचना मिलते ही पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को तत्काल इलाज के लिए रिम्स भेजा, जबकि दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया। पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश पांडेय ने बताया कि घटनास्थल से ट्रक और तीनों मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया है।

बिहार के लखीसराय में अशोक धाम मंदिर में भगदड़ 7 महिला की मौत

मंदिर में जलाभिषेक के लिए जुटे थे हजारों श्रद्धालु, करंट फैलने की उड़ी अफवाह से मची भगदड़

एजेंसी

लखीसराय: बिहार के लखीसराय जिले में मंदिर के बाहर भगदड़ से कम से कम 7 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 12 से अधिक लोग इस घटना में घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना अशोक धाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। पवित्र सावन महीने के तीसरे सोमवार पर अशोक धाम मंदिर में पूजा-अर्चना और अनुष्ठान करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु वहां जमा हुए थे।

शुरूआती जानकारी के मुताबिक, रात में इस रास्ते पर बिजली का पोल तार समेत गिर गया था। श्रद्धालुओं के बीच यह अफवाह फैल गई कि एक खंभे में बिजली का करंट आ गया है। इससे लोग घबरा गए और बचने की कोशिश में अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे। इसके बाद भगदड़ मच गई, जिसमें कई श्रद्धालु फंस गए और एक-दूसरे के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों और अन्य श्रद्धालुओं ने तुरंत भीड़ में फंसे लोगों को बचाने की कोशिशें शुरू कर दीं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। बचाव कार्य शुरू किए गए और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

अभी तक कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत होने की जानकारी सामने आई। बताया गया कि मृतकों में सभी महिलाएं थीं। अभी मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। अशोक धाम मंदिर को श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यहां एक विशाल शिवलिंग है, जो खुदाई के दौरान मिला था। खासकर सावन के पवित्र महीने के दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

हिंदू धर्म में सावन के महीने का आध्यात्मिक महत्व है और इसे साल के सबसे पवित्र समय में से एक माना जाता है। श्रावण, जिसे सावन कहा जाता है, आमतौर पर जुलाई और अगस्त में आता है। सावन के दौरान, श्रद्धालु भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए पूजा और विभिन्न अनुष्ठान करते हैं। कई श्रद्धालु इस महीने में व्रत रखते हैं और खुद को भक्ति और प्रार्थना में समर्पित करते हैं।

अब नहीं रुकेगी रसोई गैस की सप्लाई, मोदी सरकार ने 21 कंपनियों के लिए तय किए टारगेट

एजेंसी

नई दिल्ली: मिडिल ईस्ट में तनाव और युद्ध के कारण एलपीजी सप्लाई पर पड़े असर से सबक लेते हुए केंद्र सरकार ने पहली बार देश की सरकारी और प्राइवेट रिफाइनरीज व अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए एलपीजी उत्पादन के अधिकतम टारगेट तय कर दिए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में 21 कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन की क्षमता और टारगेट निर्धारित किया है। यह लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश में हुए कुल घरेलू एलपीजी उत्पादन (35,900 टन प्रतिदिन) से दोगुने से भी अधिक है और यह देश की कुल रोजाना खपत का लगभग 70 फीसदी कवर करता है। जब भी बाजार में गैस की कमी या सप्लाई बाधित होगी, यह नया नियम तुरंत लागू हो जाएगा। सरकार के आदेश के अनुसार, सबसे बड़ा हिस्सा प्राइवेट सेक्टर की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को दिया गया है। रिलायंस की गुजरात स्थित जामनगर की डोमेस्टिक-टैरिफ एरिया रिफाइनरी को रोजाना 18,000 टन

एलपीजी तैयार करने का लक्ष्य मिला है। प्राइवेट सेक्टर की ही रूस के रोसनेफ्ट समर्थित नयारा एनर्जी की वाडीनार रिफाइनरी को रोजाना 4,480 टन एलपीजी उत्पादन करने का लक्ष्य दिया गया है। **64 फीसदी आयात पर निर्भरता बनी वजह:** वित्त वर्ष 2025-26 में भारत में कुल 33.2 मिलियन टन एलपीजी की खपत हुई थी (लगभग 91,000 टन प्रतिदिन)। इसमें से केवल 13.1 मिलियन टन (35,900 टन प्रतिदिन) का उत्पादन ही देश में हुआ था, जबकि 21.3 मिलियन टन (58,400 टन प्रतिदिन) एलपीजी विदेश से मंगवानी पड़ी थी। इम्पोर्ट पर 64 फीसदी से ज्यादा निर्भरता के कारण जब ईरान युद्ध के चलते स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज का रास्ता बाधित हुआ, तो भारत में सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हुई थी।

सावन की सोमवारी पर मचा कोहराम

गंगा में डूबीं सात बच्चियां, तीन के शव मिले, एक की तलाश जारी

एजेंसी

बाढ़: बिहार के बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में सावन की सोमवारी पर गंगा स्नान के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में लापता चार बच्चियों में से तीन के शव बरामद कर लिए गए हैं। बरामद शवों की पहचान बबली कुमारी, नंदनी कुमारी और राधिका कुमारी के रूप में हुई है। वहीं, चौथी लापता बच्ची आरती कुमारी की तलाश अभी भी जारी है। हादसा रानीसराय गांव के पास सोमवार सुबह हुआ था, जब सात बच्चियां एक साथ गंगा स्नान करने पहुंची थीं।

गंगा स्नान के दौरान एक-एक कर डूबने लगीं बच्चियां: जानकारी के अनुसार, घटना सोमवार सुबह करीब पांच बजे की है। सावन की सोमवारी को लेकर रानीसराय गांव की सात बच्चियां एक साथ गंगा नदी में स्नान करने गई थीं। स्नान के दौरान एक बच्ची

अचानक गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। उसे बचाने के प्रयास में अन्य बच्चियां भी पानी में आगे बढ़ गईं। देखते ही देखते सातों बच्चियां डूबने लगीं।

बच्चियों को डूबता देख मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्काल नदी में उतरकर बचाव अभियान शुरू किया। ग्रामीणों ने किसी तरह तीन बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि चार बच्चियां गहरे पानी में लापता हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही बख्तियारपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और खोजबीन शुरू कराई।

तीन बच्चियों के शव बरामद, चौथी की तलाश जारी: लापता बच्चियों में से बबली कुमारी, नंदनी कुमारी और राधिका कुमारी के शव बरामद कर लिए गए हैं। वहीं, आरती कुमारी (14) की तलाश अभी भी जारी है। पुलिस, स्थानीय गोताखोर और प्रशासन की टीम नदी में लगातार खोज अभियान चला रही है। एसडीआरएफ की टीम को भी बचाव अभियान में लगाया गया है।

अवैध खनन से बने गड्ढे में डूबने का दावा: स्थानीय लोगों का आरोप है कि गंगा नदी में कथित अवैध खनन के कारण नदी के किनारे और पानी के भीतर गहरे गड्ढे बन गए हैं। उनका कहना है कि स्नान के दौरान बच्चियां इसी गहरे हिस्से में चली गईं और हादसा हो गया। हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

थानाध्यक्ष बोले- एक बच्ची को बचाने में सभी पानी में आगे बढ़ीं: बख्तियारपुर थानाध्यक्ष देवानंद शर्मा ने बताया कि सभी बच्चियां सोमवार सुबह गंगा नदी में स्नान करने पहुंची थीं। स्नान के दौरान एक बच्ची अचानक डूबने लगी। उसे बचाने के प्रयास में अन्य बच्चियां भी पानी में आगे बढ़ गईं और एक-एक कर डूबने लगीं।

उज्जैन के नागचंद्रेश्वर मंदिर के बाहर अफरा-तफरी,13 श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ी

- नागपंचमी को खुलने वाले मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे लोग

एजेंसी

उज्जैन: सावन के तीसरे सोमवार और वर्ष में केवल एक बार खुलने वाले नागचंद्रेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए उज्जैन में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भारी भीड़ के बीच हरसिद्धि मंदिर के सामने बैरिकेडिंग वाले क्षेत्र में अचानक भीड़ का दबाव बढ़ गया, जिससे कई श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार 13 लोग घायल बताए जा रहे है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ और उमस के बीच कुछ महिला-पुरुषों और युवतियों को घबराहट होने लगी और वे बेहोश होकर गिर पड़े। स्थिति बिगड़ने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों और सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल प्रभावित श्रद्धालुओं को संभाला और उपचार के लिए उज्जैन जिला अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में चल रहा उपचार: तबीयत बिगड़ने वाले श्रद्धालुओं को

जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। अस्पताल प्रशासन उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। **मंदिर क्षेत्र में भारी भीड़:** सावन के तीसरे सोमवार को भगवान महाकाल के दर्शन के साथ नागचंद्रेश्वर मंदिर के विशेष दर्शन के लिए देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। नागचंद्रेश्वर मंदिर वर्ष में केवल एक बार नागपंचमी के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए खोला जाता है। इसके चलते महाकाल मंदिर परिसर, हरसिद्धि मंदिर क्षेत्र और आसपास के मार्गों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बनी हुई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग और सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

सरकारी आवास से नेवी जवान, पत्नी और 2 बच्चों के शव बरामद, मचा हड़कंप,मौत की गुत्थी उलझी

एजेंसी

मुंबई : मुंबई के कफ परेड इलाके के नेवी नगर में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से सनसनी फैल गई। भारतीय नौसेना के 30 वर्षीय नाविक पुरनमल शंभूलाल मेहरा, उनकी 28 वर्षीय पत्नी ओमा और उनके दो बच्चे सरकारी आवास में मृत पाए गए। तीन साल के बेटे यश और दो महीने की बेटी के शव बेड पर मिले, जबकि पुरनमल का शव कमरे में फंदे से लटका हुआ था।

घटना की सूचना 15 अगस्त की रात कफ परेड पुलिस को मिली। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जे.जे. अस्पताल भेजा गया। शुरूआती जांच में आशंका जताई गई कि पुरनमल ने फांसी लगाकर आत्महत्या की, जबकि उनकी

पत्नी और दोनों बच्चों की मौत जहरीला पदार्थ खाने से हुई हो सकती है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी।

पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। फोरेंसिक टीम ने घर की तलाशी ली, लेकिन वहां कोई संदिग्ध जहरीला पदार्थ भी बरामद नहीं हुआ। जेजे. अस्पताल में हुए पोस्टमार्टम में पुरनमल की मौत फांसी के कारण दम घुटने से होने की पुष्टि हुई है। वहीं, ओमा और दोनों बच्चों की मौत को लेकर मेडिकल टीम ने केमिकल और फोरेंसिक रिपोर्ट आने तक अपनी राय सुरक्षित रखी है। पुलिस की शुरूआती पूछताछ में परिवार के बीच पिछले कुछ समय से वैवाहिक विवाद होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि पुरनमल और ओमा की शादी करीब चार से पांच साल पहले हुई थी और दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था।

पुलिस के मुताबिक, करीब एक सप्ताह पहले ओमा के पिता उन्हें मुंबई से वापस घर ले जाने आए थे। उस दौरान पुरनमल ने कथित तौर पर कहा था कि ओमा जाना चाहें तो जा सकती हैं, लेकिन वह बच्चों को अपने साथ नहीं ले जा सकतीं। पुलिस अब इस विवाद और घटना से पहले के पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। बताया गया कि पुरनमल के पिता ने रात में उन्हें फोन किया था। लगातार कॉल करने के बावजूद जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने नौसेना के कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। इसके बाद नौसेना के अधिकारी सरकारी क्वार्टर पहुंचे, जहां परिवार के चारों सदस्य मृत मिले। अधिकारियों ने तुरंत कफ परेड पुलिस को घटना की जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला था। पुरनमल का छोटा भाई भी भारतीय नौसेना में तैनात है और शव लेने के लिए मुंबई पहुंचा। पुलिस ने दुर्घटनावश हुई मौत का मामला (एडीआर) दर्ज कर लिया है। परिजनों, पड़ोसियों और अन्य संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

भारतीय नौसेना ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि मामले की जांच में पुलिस और संबंधित एजेंसियों को हर संभव सहायता दी जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर परिवार के चारों सदस्यों की मौत किन परिस्थितियों में हुई।

प.बंगाल में तारापीठ के होटल में लगी भीषण आग, 7 लोग जिंदा जले, कई घायल

- मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका
- एसी में शॉर्ट सर्किट से हुआ हादसा

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के प्रसिद्ध तारापीठ में सोमवार सुबह एक प्राइवेट होटल में भीषण आग लगने से 7 लोगों की झुलसकर मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसा इतना भयावह था कि होटल में मौजूद लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा तारापीठ पुलिस स्टेशन के पास तालाब के समीप स्थित बिदिशिनी होटल में सुबह करीब 4:30 बजे हुआ। आग होटल की ग्राउंड फ्लोर पर लगी और देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। आग की सूचना मिलते ही दमकल

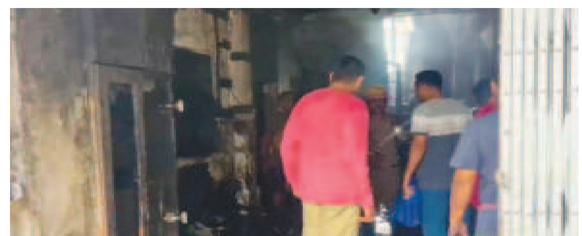

विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दमकलकर्मियों ने होटल में फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है।

हादसे के दौरान होटल में मौजूद लोगों और कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। कई लोग मदद के लिए चिल्लाने लगे। हालांकि, जब तक राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचा, तब तक आग ने भयावह रूप धारण कर लिया था। आग बुझाए जाने के बाद होटल से 7 लोगों के शव बरामद किए गए।

प्रारंभिक जांच में दमकल विभाग ने आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई है। हालांकि, आग के वास्तविक कारणों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही तारापीठ और रामपुरहाट थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि आग किस वजह से लगी और होटल में सुरक्षा के क्या इंतजाम थे। फिलहाल हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी फरार

लोहरदगा : जिला के कुडू थाना क्षेत्र में जंगल से लकड़ी लाने गई एक नाबालिग लड़की के साथ दो युवकों ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। नाबालिग की मां के बयान पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपी घटना के बाद से फरार हैं।

जंगल से लौटने के दौरान हुई घटनाः थाना में दिए आवेदन के अनुसार, पीड़िता कुडू थाना क्षेत्र की रहने वाली है। वह जंगल से लकड़ी लेकर घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में दो युवक उसे जबरन जंगल के अंदर करीब आधा किलोमीटर दूर ले जाकर दुष्कर्म किया। आरोपियों ने नाबालिग को धमकी भी दी कि अगर किसी को बताया तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे।

इस घटना के बाद किसी तरह नाबालिग घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद नाबालिग अपनी मां के साथ कुडू थाना पहुंची और लिखित शिकायत दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर नाबालिग का मेडिकल जांच भी कराया है। इस घटना से नाबालिग और उसका परिवार भय में है। हालांकि पीड़ित परिवार ने कानून पर विश्वास जताया है। साथ ही आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी की है।

इस संबंध में कुडू थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि मामले में अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। दोनों आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

पेपर लीक के विरोध में छात्रों ने किया पुतला दहन

खूंटीः जेपरएससी-जेएसएससी-व सीजीएल परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं के विरोध में खूंटी के छात्र-युवाओं ने रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं राहुल गांधी का पुतला दहन कर अपना आक्रोश जताया। इस दौरान छात्रों ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी है। छात्रों ने जेपरएससी-जेएसएससी-सीजीएल
परीक्षाओं में कथित पेपर लीक व अनियमितताओं की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय सीबीआई जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा प्रभावित अभ्यर्थियों के हित में उचित निर्णय लेने की मांग की। आंदोलन को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने भी समर्थन दिया। पार्टी की ओर से कहा गया कि छात्रों और युवाओं के न्यायपूर्ण अधिकारों की लड़ाई में जेकेएलएम मजबूती से उनके साथ खड़ा है। युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा। पुतला दहन कार्यक्रम में अर्पित, धर्मेंद्र, रौनक, पवन, राकेश, तनु, दीपक, विजय, तुलसी, बजरंग, कुलदीप, पम्मी, राजेश, हरेन्द्र, मदन, उमेश विश्वकर्मा, विक्रम, ब्रजकिशोर, विवेक, सोनू, भारत, निशांत, भुनेश्वर, सुरेश, रविंद्र, ललन समेत बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में युवक को मारी गोली, हजारीबाग मेडिकल कॉलेज किया गया रेफर

चतरा : शहर के शहादत चौक स्थित बिंड मोहल्ले में रविवार की देर शाम पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक को गोली मार दी गई। घटना सदर थाना क्षेत्र की है। घायल युवक की पहचान शहजाद कुरैशी के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक शहजाद को रास्ते में रोककर उस पर हमला किया गया। इस दौरान गोली चलने के साथ तलवार और चाकू से भी वार करने का आरोप है। गोली शहजाद की जांघ में लगी है।गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल चतरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ। मनीष लाल ने बताया कि युवक के पैर में गोली लगी है। उसकी स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर किया गया है। भाई ने अकबर और उसकी मां पर लगाया आरोपः घटना के बाद घायल शहजाद के बड़े भाई जीरा कुरैशी ने पुलिस को दिए बयान में अकबर पर हमला करने का आरोप लगाया है। जीरा के मुताबिक अकबर ने रास्ते में शहजाद को रोका था। इसी दौरान अकबर की मां जूही परवीन भी मौके पर पहुंचीं। आरोप है कि उन्होंने रॉकी कुरैशी नामक युवक को हथियार सौंपा और शहजाद को जान से मारने के लिए उकसाया। इसके बाद रॉकी ने शहजाद की जांघ में गोली मार दी।परिजनों का यह भी आरोप है कि गोली मारने के बाद शहजाद पर चाकू और तलवार से हमला किया गया। हालांकि पुलिस ने चाकूबाजी की बात को पूरी तरह खारिज किया है। सदर एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शुरूआती जांच में मामला आपसी और पुरानी रंजिश से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। वहीं पुलिसिया कार्रवाई से नाराजगी भी विवाद की एक वजह बताई जा रही है। पुलिस ने सभी नामजद आरोपियों की पहचान कर ली है।

आरोपी फरार, गिरफ्तारी के लिए छापेमारीः घटना के बाद सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। सदर एसडीपीओ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि घायल युवक अब खतरे से बाहर है। इधर, दिनदहाड़े गोली चलने की घटना से शहर में दहशत का माहौल है।घटना के बाद पुलिस ने इलाके में सक्रियता बढ़ा दी है और मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है। घायल के परिजनों ने पुलिस-प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और मामले में त्वरित न्याय की मांग की है। पुलिस का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

14 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट

संवाददाता

रांची : झारखंड में मॉनसून एक बार फिर जोर पकड़ता नजर आ रहा है। सोमवार को राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने 17 और 18 अगस्त को कई जिलों में भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है।

खूंटी, रांची, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, रामगढ़, हजारीबाग, गिरिडीह, दुमका, लातेहार, गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा और चतरा में भारी बारिश के साथ आंधी की चेतावनी जारी की गई है।

इस दौरान हवा की रफ्तार करीब 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दक्षिणी, पश्चिमी और मध्य झारखंड के कई हिस्सों में गरज के साथ वज्रपात की भी आशंका है। रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, दुमका, हजारीबाग, पलामू, रामगढ़, खूंटी, सिमडेगा और देवघर में भी आंधी-पानी का असर देखने को मिल सकता है।

अचानक तेज बारिश का खतराः बारिश और बादलों के कारण सोमवार को रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां समेत कई इलाकों में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहने की संभावना है। हालांकि इस दौरान मौसम कभी भी करवट ले सकता है। कुछ इलाकों में अचानक तेज बारिश के साथ गरज-चमक और वज्रपात हो सकता है।

ऐसे में लोगों को खुले मैदान, पेड़ के नीचे और बिजली के खंभों के आसपास जाने से बचने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार 15 अगस्त से ही राज्य में मानसून की गतिविधियां बढ़ी हैं। 16 अगस्त को भी राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहे। कई जगह हल्की से

मध्यम बारिश हुई।

अब 17 अगस्त को बारिश की तीव्रता बढ़ने और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। 18 और 19 अगस्त से बारिश की गतिविधियों में कुछ कमी आ सकती है, लेकिन कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश जारी रहेगी।

21 अगस्त तक बना रहेगा असर : मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 20 अगस्त को राज्य के कुछ जिलों में छिटपुट बारिश और बादल छाए रहने की संभावना है। 21 अगस्त तक बारिश का असर बने रहने का अनुमान है, हालांकि 17-18 अगस्त की तुलना में इसकी तीव्रता कम रह सकती है। आज रांची का अधिकतम तापमान करीब 29 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। बारिश और बादलों के कारण राज्य के अधिकांश जिलों में तापमान सामान्य से कम रह सकता है, जिससे मौसम आरामदायक रहेगा। बारिश और तेज हवाओं से वातावरण में मौजूद धूल-कण कम होने के कारण हवा की गुणवत्ता भी बेहतर रहने की उम्मीद है।

ऐसे में कुल मिलाकर सोमवार को मौसम सुहावना रहने के साथ बारिश, आंधी और वज्रपात का खतरा भी बना रहेगा। खासकर 17 और 18 अगस्त को लोगों को मौसम विभाग की चेतावनी पर नजर रखते हुए सतर्क रहने की जरूरत है।

जेसीआई ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस, लाबेद में गूंजा राष्ट्रगान

संवाददाता

लाबेद : जेसीआई रांची द्वारा अपने सामुदायिक विकास कार्यक्रम से जुड़े गांव लाबेद में 80वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। जेसीआई रांची सदस्यों ने परिवार एवं बच्चों के साथ तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय पर्व मनाया।

समारोह की शुरूआत ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुई। इस अवसर पर बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए देश की एकता, अखंडता और विकास के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को कॉपी, स्टेशनरी, चॉकलेट एवं मिठाइयां भी वितरित की गईं, जिससे उनमें विशेष उत्साह देखने को मिला।

जेसीआई रांची के अध्यक्ष जेसी अभिषेक जैन ने कहा कि संस्था सामाजिक सरोकारों के तहत

लाबेद के साथ निरंतर जुड़कर सामुदायिक सहभागिता और विकास की दिशा में कार्य कर रही है। ऐसे आयोजन बच्चों और युवाओं में राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में जेसी अभिषेक जैन (अध्यक्ष - जेसीआई रांची), जेसी साकेत अग्रवाल (सचिव), जेसी अनुभव अग्रवाल (उपाध्यक्ष - कम्युनिटी), जेसी अंकित मोदी (निर्देशक - लाबेद), जेसी ऋषभ छापरिया (निर्देशक - कम्युनिटी आउटरीच), जेसी आदित्य जालान (प्रोजेक्ट चेयरमैन) एवं जेसी आशीष अग्रवाल (को-प्रोजेक्ट चेयरमैन) सहित जेसीआई सदस्य उपस्थित रहे। समारोह का समापन राष्ट्र की एकता, प्रगति और समृद्धि के संकल्प के साथ हुआ। उक्त जानकारी जेसीआई रांची के प्रो जेसी रवि कांत सामोता द्वारा दी गई।

आम्रेश्वर धाम में किन्नर समाज ने लगाया निशुल्क भंडारा

दस हजार श्रद्धालुओं के बीच बांटा प्रसाद

संवाददाता

खूंटी : जिले के प्रसिद्ध शिवालय आम्रेश्वर धाम आंगराबाड़ी में श्रावणी मेले के दौरान रविवार को पहली बार किन्नर समाज खूंटी जिला के तत्वावधान में एकदिवसीय निशुल्क भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में मंदिर परिसर पहुंचे करीब दस हजार श्रद्धालु भक्तों के बीच श्रद्धापूर्वक प्रसाद का वितरण किया गया। भंडारे का शुभारंभ सुबह करीब 8 बजे हुआ। इसके बाद लगातार दोपहर 3 बजे तक मंदिर परिसर में पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। श्रावण मास में भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आम्रेश्वर धाम पहुंचे थे। इस दौरान किन्नर समाज द्वारा लगाए गए भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। बताया गया कि आम्रेश्वर धाम में किन्नर समाज की ओर से पहली बार इस प्रकार के निशुल्क भंडारे का आयोजन किया गया।

आयोजन के दौरान समाज के सदस्यों ने श्रद्धालुओं की सेवा करते हुए प्रसाद वितरण में सक्रिय भूमिका निभाई। भंडारे को लेकर श्रद्धालुओं में भी उत्साह देखने को मिला और लोगों ने किन्नर समाज की इस पहल की सराहना की।

भंडारे के आयोजन से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए गुड़िया किन्नर ने बताया कि किन्नर समाज की ओर से धार्मिक और सामाजिक सेवा के कार्यों को आगे भी जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी किन्नर समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं के बीच निशुल्क प्रसाद का वितरण किया जाएगा। किन्नर समाज की इस पहल को सामाजिक समरसता, सेवा और धार्मिक आस्था से जोड़कर देखा जा रहा है। श्रावणी मेले के दौरान आम्रेश्वर धाम में आयोजित इस भंडारे के माध्यम से समाज ने श्रद्धालुओं की सेवा कर धार्मिक स्थलों पर सेवा कार्यों में अपनी भागीदारी का संदेश दिया।

झामुमो जिलाध्यक्ष निलेश ज्ञानसेन समेत तीन के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

संवाददाता

चतरा : जिले के टंडवा थाना क्षेत्र से जुड़े शिकायत केस संख्या 190/2022 में चतरा सिविल कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए तीन आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्लू) जारी किया है। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी एसएस तिर्की की अदालत से 25 जुलाई 2026 को जारी वारंट में टंडवा थाना प्रभारी को वारंट का अनुपालन करते हुए संबंधित आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। वारंट झामुमो जिलाध्यक्ष वारंट निलेश ज्ञानसेन उर्फ सोनू सिन्हा, विनोद

कुमार शर्मा उर्फ विनोद ठाकुर और गणेश सिंह के खिलाफ जारी किया गया है।मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 341, 504 एवं 379 का उल्लेख है। न्यायालय ने पुलिस को वारंट तामील कर इसकी रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। दस्तावेज के अनुसार अगली पेशी की तारीख 13 अगस्त 2026 निर्धारित थी। अब वारंट के अनुपालन को लेकर टंडवा पुलिस की कार्रवाई पर नजर है। मामले से जुड़े निलेश ज्ञानसेन उर्फ सोनू सिन्हा का नाम टंडवा क्षेत्र में खनिज संपदा से जुड़े वाहनों को रोकने की घटनाओं को लेकर भी चर्चा में रहा है। एनबीडब्लू जारी होने के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इधर, निलेश ज्ञानसेन उर्फ सोनू सिन्हा ने कहा कि मुझे न्यायालय पर पूरा भरोसा है।

श्रद्धालुओं के निशुल्क चना सतू के शरबत का वितरण

संवाददाता

मुरी : रांची स्टेशन चुटिया जाने वाले रास्ते के पास भोले बाबा के जलाभिषेक के बाद गाड़ी से लौटने वाले श्रद्धालुओं को निशुल्क चना के सतू का शरबत वितरण किया गया। शरबत पीने के बाद सभी ने जय भोले बाबा, हमारी मनोकामना पूरी करो का जय घोष किया। शरबत वितरण करने वाले प्रवीण और सन्नी ने कहा कि शरबत पिलाने का कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा।

विचाराधीन टीएसपीसी नक्सली कैदी की जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

जेल प्रशासन ने कहा, फांसी लगाकर की आत्महत्या

परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

संवाददाता

चतरा : चतरा मंडल कारा में बंद विचाराधीन कैदी मंटू गंझू उर्फ दिलेश की शनिवार की देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद जेल प्रशासन ने इसे आत्महत्या बताया है, जबकि मृतक के परिजनों ने जेल अधीक्षक, कक्षपाल और अन्य जेल कर्मियों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। मृतक पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केवाल गांव का रहने वाला था। करीब दो साल से आर्म्स एक्ट के मामले में चतरा जेल में बंद था।जेल प्रशासन के अनुसार मंटू ने जेल के अंदर फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद उसे तत्काल चतरा सदर अस्पताल

ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही जेल और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। वहीं, घटना की जानकारी परिवार तक पहुंचने के बाद परिजन भी चतरा पहुंचे।मंटू के भाई सिंटू सिंह और अन्य परिजनों ने जेल प्रशासन की आत्महत्या की थ्योरी को सिरे से खारिज कर दिया है। परिजनों का आरोप है कि जेल अधीक्षक, कक्षपाल और अन्य कर्मचारियों ने मिलकर मंटू की हत्या की है। इस संबंध में परिजनों ने सदर थाने में आवेदन देकर हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि कुछ दिन पहले ही उनकी मंटू से मुलाकात हुई थी। उस समय ऐसी कोई बात सामने नहीं आई थी, जिससे यह लगे कि वह आत्महत्या जैसा कदम उठा सकता है। परिजनों ने यह भी सवाल उठाया कि यदि मंटू किसी बीमारी या परेशानी से जूझ रहा था, तो जेल प्रशासन ने परिवार को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी। जानकारी के अनुसार कुंदा थाना क्षेत्र के हिंदिया कला में ग्रामीणों ने उसे लेवी वसूलने और धमकाने के आरोप में हथियार के साथ पकड़ा था। इसके बाद ग्रामीणों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया था।

मेडिकल बोर्ड का गठन कर करवाया गया पोस्टमार्टम : मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने मेडिकल बोर्ड का गठन कर पोस्टमार्टम करवाया है। बोर्ड में मजिस्ट्रेट के रूप में हंटरगंज सीओ रितिक कुमार के अलावा सदर अस्पताल के तीन वरीय चिकित्सकों को शामिल किया गया है। पोस्टमार्टम की पूरी प्रक्रिया मेडिकल बोर्ड की निगरानी में की जा रही है, ताकि मौत के कारणों की निष्पक्ष तरीके से जांच हो सके।फिलहाल जेल प्रशासन और जिला प्रशासन के अधिकारी इस मामले में कुछ भी स्पष्ट रूप से कहने से बच रहे हैं। पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मंटू की मौत आत्महत्या थी या उसके साथ कोई आपराधिक घटना हुई।

रांची राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की एसआईआर की समीक्षा, कहा-

एसआईआर का मुख्य उद्देश्य शुद्ध, त्रुटिरहित और समावेशी मतदाता सूची तैयार करना

- ✔ निर्वाचन आयोग के निर्देशों का करे पालन
- ✔ एसआईआर के कामों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी

संवाददाता

रांची: राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने निर्वाचन सदन में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने कहा कि एसआईआर का मुख्य उद्देश्य शुद्ध, त्रुटिरहित और समावेशी मतदाता सूची तैयार करना है। इस काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निर्वाचन आयोग के निर्देशों का करे पालनः उन्होंने निर्वाचन सदन में रांची जिले में एसआईआर की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के निदेशों का पालन करने का निर्देश दिया। श्री रविकुमार ने निर्देश दिया कि एक परिवार या घर के सभी मतदाताओं का नाम एक ही मतदान केंद्र की सूची में दर्ज हो। इसके लिए इआरओ को नजरी नक्शे का सही तरीके से सत्यापन करने को कहा गया। गृह संख्या और नोशनल नंबर की भी सावधानीपूर्वक जांच करने को कहा।

प्रत्येक दस्तावेजों का नियमानुसार गहन जांचः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि बीएलओ द्वारा किये गये कार्यों के सही निष्पादन की जिम्मेदारी बीएलओ सुपरवाइजर की होगी। सुपरवाइजर की ओर से लापरवाही मिलने पर इआरओ कार्रवाई करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी को सूचना देंगे। श्री रविकुमार ने प्रत्येक आवेदन, दावा-आपत्ति, नोटिस और उपलब्ध कराये गये दस्तावेजों की नियमानुसार गहन जांच का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटना चाहिए और किसी विदेशी नागरिक का नाम सूची में शामिल नहीं होना चाहिए। इआरओ और एइआरओ को क्षेत्रीय स्तर पर कार्यों की नियमित निगरानी और लंबित मामलों का तय समय-सीमा में निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। नागरिक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1950ः जानकारी या सहायता के लिए नागरिक टोल-फ्री हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क कर सकते हैं। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

नोटिस मिलने पर दस्तावेज देने के लिए मिलेंगे 14 दिनः झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत 24 अगस्त से नो-मैपिंग, तार्किक विसंगति और अन्य श्रेणियों में शामिल मतदाताओं के मामलों की सुनवाई शुरू होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने स्पष्ट किया कि नोटिस जारी करने और दावा-आपत्तियों की प्रक्रिया का उद्देश्य किसी पात्र मतदाता को सूची से बाहर करना नहीं, बल्कि सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है।

पहले सात दिन, फिर सात दिन का मौकाः नो-मैपिंग, तार्किक विसंगति और अन्य संबंधित सूचियों में शामिल मतदाताओं को इआरओ स्तर से नोटिस दिया जायेगा। नोटिस मिलने के बाद दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए पहले चरण में सात दिन का समय मिलेगा। इस अवधि में दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर बीएलओ दोबारा संपर्क करेंगे और फिर से नोटिस देंगे। इसके बाद दस्तावेज जमा करने के लिए सात दिन का अतिरिक्त समय मिलेगा।

दावा-आपत्ति करने की अवधि 5 अगस्त से 15 सितंबरः दावा-आपत्ति दाखिल करने की अवधि पांच अगस्त से 15 सितंबर तक है। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निष्पादन संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा 14 अक्तूबर 2026 तक किया जायेगा। नाम जोड़ने और सुधार का भी चल रहा काम वर्तमान में राज्य में दावे-आपत्तियां प्राप्त करने के साथ नये पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने और सूची में दर्ज प्रविष्टियों में धार का काम जारी है।

अंतिम सूची में शामिल होंगे योग्य मतदाताः जिनका नाम किसी दूसरे राज्य की सूची में दर्ज है और वे झारखंड की सूची में स्थानांतरित होना चाहते हैं, उनसे फॉर्म-8 और घोषणा पत्र प्राप्त कर नाम दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। एक परिवार को एक ही मतदान केंद्र की सूची में दर्ज करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। और आंकड़ों में पायी गयी त्रुटियों और विसंगतियों को दूर किया जा रहा है। नोटिस और सुनवाई की प्रक्रिया के माध्यम से दस्तावेजों तथा उपलब्ध आंकड़ों का विधिसम्मत सत्यापन होगा। इन्यूमरेशन चरण में मतदाताओं से प्राप्त आवेदनों बाद योग्य मतदाताओं को अंतिम सूची में शामिल किया जायेगा।

विदेशी नागरिक के नाम पर दर्ज करें आपत्तिः के रविकुमार ने संविधान के अनुच्छेद326 का हवाला देते हुए कहा कि केवल भारत के नागरिक ही मतदाता सूची में पंजीकृत हो सकते हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों, बीएलए-2 और आम नागरिकों से अपील की कि यदि किसी विदेशी नागरिक का नाम सूची में शामिल है या शामिल होने का प्रयास किया जा रहा है, तो फॉर्म-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज करायी जाये।

डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो ने जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विकास मंच के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

मेट्रो रेज

रांची : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विकास मंच के अध्यक्ष डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो ने अपने पद से स्वैच्छिक त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा मंच के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ संजय कुमार तिर्की को सौंपते हुए अपरिहार्य व्यक्तिगत एवं संस्थागत परिस्थितियों को इसके पीछे का कारण बताया है।

डॉ. महतो ने कहा कि किसी भी सामाजिक - सांस्कृतिक संस्था की शक्ति पद में नहीं, बल्कि उसके उद्देश्यों, सामूहिक प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और रचनात्मक कार्यप्रणाली में निहित होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका निर्णय किसी व्यक्ति विशेष के प्रति असहमति या व्यक्तिगत असंतोष का परिणाम नहीं है।

उन्होंने कहा कि पद से अलग होने के बावजूद जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं, साहित्य, संस्कृति और अस्मिता के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पूर्ववत बनी रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर वे मंच के सहयोगी एवं शुभचिंतक के रूप में अपना योगदान देते रहेंगे।

तुषार कांति शीट को राष्ट्र गौरव सम्मान ,बधाई

मेट्रो रेज

रांची/नई दिल्लीः राजधानी रांची के निवारणपुर स्थित आम्रपाली अपार्टमेंट में रहने वाले झारखंड के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता तुषार कांति शीट को राष्ट्र गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। श्री शीट को यह अवार्ड स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब आफ इंडिया, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में एमएस ग्लोबल एंटरटेनमेंट की ओर से दिया गया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक सुशील पाल और ममता के हस्ताक्षर से जारी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उन्हें यह पुरस्कार समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि और समाजसेवियों व सामाजिक संगठनों को समाज सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करते के लिए दिया गया।

गौरतलब है कि इसके पूर्व भी श्री शीट को देश के कई नामचीन संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है।

श्री शीट को राष्ट्र गौरव सम्मान से नवाजे जाने पर श्रीरामकृष्ण सेवा संघ से जुड़े डॉ। स्मिता डे, सुकृति भट्टाचार्य, विवेक राय, तन्मय मुखर्जी, अरुण सिन्हा, तनय शीट, राजीव रंजन, राकेश सिंह, मंतोष मजुमदार, आलोक सिन्हा, इंद्रजीत चटर्जी, आलोक मजुमदार सहित अन्य शुभचिंतकों ने बधाई दी।

झारखंड के गांवों में शिक्षा को मिला डिजिटल सहारा

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड में ग्रामीण शिक्षा को मजबूत करने के लिए एसयूडी लाइफ की सीएसआर पहल के तहत गुमला के 112 सरकारी स्कूलों में जिला प्रशासन और एडटेक प्लेटफॉर्म फिलो के सहयोग से डिजिटल लर्निंग और लाइव ट्यूशन की सुविधा शुरू की गई। इसके बाद कक्षा 10 के जेएसी बोर्ड परीक्षा परिणामों में गुमला की रैंक 20वें से पहले स्थान पर पहुंची, जबकि कक्षा 12 विज्ञान में जिला दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, प्रोजेक्ट धरती के तहत डुमरी के छह गांवों में सिंचाई सुविधाओं के विकास से किसानों की आय और बहुफसली खेती को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है।

झारखंड की ग्रामीण महिला उद्यमियों को मजबूत करेगा इनक्यूबेटर कार्यक्रम

संवाददाता

रांचीः आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क ने झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के साथ साझेदारी में ग्रामीण महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए झारखंड इनक्यूबेटर कार्यक्रम का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन शुरू किया है। तीन वर्षीय इस पहल के तहत झारखंड के 24 जिलों और 264 प्रखंडों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमियों की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और उद्यम विकास से जुड़े संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इनमें से 500 महिला उद्यमियों का चयन उन्नत प्रशिक्षण और सहयोग के लिए किया जाएगा। आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क के बोर्ड अध्यक्ष अजय जैन ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं के उद्यम परिवारों की आय बढ़ाने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति दे सकते हैं। जेएसएलपीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनन्य मित्तल ने कहा कि संस्था की सामुदायिक पहुंच और आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क की उद्यम विकास विशेषज्ञता के जरिए महिला उद्यमियों को विकास के अवसरों से जोड़ा जाएगा। पहल के तहत उद्यम विकास, डिजिटल सशक्तीकरण, ब्रांड निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित समाधान और बाजार तक पहुंच जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग दिया जाएगा।

श्रावणी मेला- 2026 : महाकवि योगेश फाउंडेशन के बोल बम स्वागत शिविर में उमड़ रही भीड़

- ✔ भूसावल का केला और शुद्ध दूध की चाय श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र
- ✔ शिवभक्तों के मनोरंजन के लिए प्रतिदिन हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम

मेट्रो रेज

घुटिया-सुइया/बांका (बिहार): महाकवि योगेश फाउंडेशन, नीरपुर (अथमलगोला) पटना एवं गोविंदा कंस्ट्रक्शन्स, विक्रम (पटना) के संयुक्त तत्वावधान में श्रावणी मेला 2026 के अवसर पर बांका जिलांतर्गत सुईया पहाड़ (घुटिया) में निःशुल्क बोल बम सेवा शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में विशेष रूप से शिव भक्तों (कांवरियों) के लिए प्राथमिक चिकित्सा, शौचालय एवं स्नान की सुविधा, शीतल पेयजल, नींबू/दूध की चाय व अल्पाहार (फल), विश्राम/शयन, मोबाइल चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा संस्था की ओर से श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए जागरण, संगीत संध्या, भगवान शिव-पार्वती की जीवंत झांकी आदि की प्रस्तुति भी प्रतिदिन की जा रही है। शिविर में डाक बम के लिए विशेष सेवाएं उपलब्ध हैं।

शिविर में आए श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से भुसावल का केला और शुद्ध दूध की चाय आकर्षण का केन्द्र बना है।

निःशुल्क बोल बम सेवा शिविर का उद्घाटन सावन माह के प्रथम दिन 30 जुलाई, 2026 को बिहार सरकार के पूर्व भवन निर्माण मंत्री जयंत राज ने किया। शिविर का संचालन 28 अगस्त, 2026 तक किया जाएगा।

विदित हो कि अथमलगोला (पटना) के सुप्रसिद्ध समाजसेवी स्व ाडॉ। योगेश्वर प्रसाद सिंह योगेश की स्मृति में विगत तीन वर्षों से उक्त स्थल पर शिव भक्तों के लिए स्वागत शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के सफल संचालन में पटना जिलांतर्गत अथमलगोला क्षेत्र के पूर्व प्रमुख अनिल सिंह, पैक्स के चेयरमैन सह पूर्व मुखिया संतोष सिंह, समाजसेवी हिमांशु कुमार उर्फ छोटू सहित अन्य सहयोगी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उक्त जानकारी राघोपुर (बख्तियारपुर) ग्राम निवासी शिवभक्त जितेन्द्र सिंह ने दी।

युवती ने युवक पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल का लगाया आरोप

मेट्रो रेज

बुढ़मूः रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र की 23 वर्षीय युवती ने एक युवक पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। युवती का आरोप है कि आरोपी ने उसे वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कथित तौर पर ब्लैकमेल किया और उसकी इच्छा के खिलाफ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। मामले को लेकर युवती ने बुढ़मू थाना प्रभारी को लिखित आवेदन दिया है।

तीन साल से ब्लैकमेल करने का आरोप

पुलिस को दिए आवेदन में युवती ने बुढ़मू निवासी जहुरुद्दीन अंसारी पर आरोप लगाया है कि वह करीब तीन वर्षों से उसे ब्लैकमेल कर रहा था। युवती के मुताबिक, आरोपी कथित तौर पर वीडियो वायरल करने और उसे तथा उसके पति को जान से मारने की धमकी देता था। आवेदन के अनुसार, आरोपी की धमकियों के कारण युवती काफी समय तक मामले की जानकारी अपने पति और ससुराल वालों को नहीं दे सकी।

विरोध करने पर वीडियो वायरल करने का आरोप

युवती ने आरोप लगाया कि करीब 20 से 22 दिन पहले भी आरोपी ने उस पर गलत काम के लिए दबाव बनाया। उसके विरोध करने पर आरोपी ने कथित तौर पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी और बाद में वीडियो वायरल कर दिया। युवती ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने और उसे न्याय दिलाने की मांग की है। फिलहाल यह आरोप युवती की ओर से दिए गए लिखित आवेदन पर आधारित हैं। मामले में पुलिस की जांच और प्राथमिकी दर्ज होने के बाद ही आरोपों की आधिकारिक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सूरत-मालदा एक्सप्रेस का बदला प्रस्थान समय, अब रात 10:20 बजे खुलेगी ट्रेन

रांची: लिंक रेक के विलंब से चलने के कारण ट्रेन संख्या 13426 सूरत-मालदा टाउन एक्सप्रेस के प्रस्थान समय में बदलाव किया गया है। रेलवे के अनुसार 17 अगस्त 2026 को यह ट्रेन अपने निर्धारित समय से करीब आठ घंटे देर से रवाना होगी। अब रात 10:20 बजे रवाना होगी ट्रेनः सूरत से मालदा टाउन जाने वाली यह एक्सप्रेस ट्रेन पहले निर्धारित समय के अनुसार दोपहर 2:20 बजे सूरत स्टेशन से रवाना होने वाली थी। लेकिन लिंक रेक के विलंब से पहुंचने के कारण ट्रेन के परिचालन समय में बदलाव करना पड़ा है। अब यह ट्रेन 17 अगस्त को रात 10:20 बजे सूरत से प्रस्थान करेगी।

प्रस्थान समय में बदलाव के कारण यात्रियों को स्टेशन पहुंचने से पहले ट्रेन की अद्यतन स्थिति और संशोधित समय की जानकारी जरूर जांच लेने की सलाह दी गई है। इससे यात्रियों को अनावश्यक परेशानी से बचने में मदद मिलेगी।

राहुल ने छात्रों की समस्याएं सुनने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री सोरेन को लिखा पत्र

रांची/नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों के समर्थन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। उन्होंने सोरेन से आंदोलनरत छात्रों के प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनने और उनके समाधान के लिए उचित कदम उठाने का आग्रह किया है। राहुल ने अपने पत्र में कहा है कि झारखंड के छात्र राज्य की भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आंदोलन शांतिपूर्ण है और उनकी मांगें जायज हैं। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री द्वारा गठित समिति के माध्यम से छात्रों से संवाद शुरू किया है और कई मांगों पर सहमति भी बनी है। इसके बावजूद आंदोलन जारी है और कुछ छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं सुझाव देना चाहता हूं कि आप व्यक्तिगत रूप से प्रदर्शन कर रहे छात्रों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करें। इससे उनकी शेष चिंताओं के समाधान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि भारत के युवा देश का भविष्य हैं और ऐसे संकट के समय उनके साथ एकजुटता और समर्थन खड़ा करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने मुख्यमंत्री से छात्रों की बात सुनने और इस मुद्दे के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया।

राहुल गांधी ने पत्र में कहा है कि कांग्रेस संविधान में निहित शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को लोकतंत्र का एक केंद्रीय स्तंभ मानती है और पिछले कुछ महीनों से पेपर लीक तथा शिक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों का पूरा समर्थन कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था को आरएसएस और भाजपा ने अपने कब्जे में लेकर छात्रों के शोषण और दमन का माध्यम बना दिया है तथा यह एक दशक पहले जैसी मजबूत ज्ञान-व्यवस्था नहीं रह गई है।

न्यू बाल मंदिर स्कूल में समाजसेवी एचएन सिंह ने किया झंडोत्तोलन

रांची/मेट्रो रेज: एचईसी परिसर स्थित न्यू बाल मंदिर स्कूल, सेक्टर टू (सेल सिटी मार्ग) में धुर्वा क्षेत्र के जाने-माने समाजसेवी एवं स्कूल प्रबंध समिति के सचिव एचएन सिंह ने झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर श्री सिंह ने स्वतंत्रता दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद कराने वाले अमर वीर शहीदों की राष्ट्रभक्ति से हमें प्रेरणा लेने की जरूरत है। देश के लिए समर्पण ही अमर शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ध्वजारोहण के बाद स्कूल के नन्हें-मुन्हें बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मौके पर विशिष्ट अतिथि कामता सिंह, स्कूल की प्राचार्या मौसमी तिग्गा सहित शिक्षिकाएं व अभिभावक गण उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर नेवरी पंचायत में छोटे बच्चों के बीच तिरंगा व पाठ्य सामग्री का वितरण

रांची/मेट्रो रेज: झारखण्ड यूथ क्रांति संघ के तत्वावधान में 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संयोजक विशाल कुमार सिंह और वरिष्ठ कार्यकर्ता सूरज केरकेट्टा की अध्यक्षता में कांके क्षेत्र के नेवरी पंचायत में छोटे बच्चों के बीच तिरंगा झंडा एवं पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। संगठन के अध्यक्ष नमित हेमरोम ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए छोटे बच्चों का हौसला बढ़ाया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। साथ ही संयोजक आकाश राणा ने भी हर संभव मदद करने का वादा किया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से गांव के मुखिया साधव उरांव ,समिति के सयोजक विशाल उपाध्य, उमेश सिंह, पाछू महतो, रवि सिंह, दिलीप महली, रिक्की सिंह, सतीश सिंह, सुभम कुमार, मुनेश ठाकुर, अमन वर्मा व साथी संगठन के अन्य लोग उपस्थित थे ।

मोरहाबादी अंतु चौक में एएचए फैशन स्टोर का भव्य उद्घाटन, परंपरा और आधुनिकता का संगम

रांची/मेट्रो रेज: राजधानी रांची के मोरहाबादी अंतु चौक में एएचए फैशन स्टोर का भव्य उद्घाटन रांची की मेयर रोशनी खलखो द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने स्टोर की संचालिका अनुपमा सिंह एवं उनके परिवार के सदस्यों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। एएचए फैशन स्टोर भारतीय परंपरा, कारीगरों के हुनर और आधुनिक फैशन का खूबसूरत संगम प्रस्तुत करता है। मोरहाबादी स्थित इस स्टोर में महिलाओं के लिए विशेष रूप से चुनी गई पारंपरिक, हस्तनिर्मित और आकर्षक साड़ियों का अनूठा संग्रह उपलब्ध है।

एएचए फैशन की शुरूआत: अनुभवी बैंकर अनुपमा सिंह ने महिलाओं को प्रामाणिक हस्तकला और पारंपरिक साड़ियों से जोड़ने के उद्देश्य से की। इस पहल में अनामिका सिंह का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। देश के विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों की यात्रा के दौरान पारंपरिक वस्त्रों और हस्तशिल्प के प्रति बढ़े लगाव को उन्होंने स्टोर के रूप में साकार किया।

एएचए फैशन में बनारस और असम के करघों, राजस्थान के रंगाई केंद्रों तथा दक्षिण भारत के बुनाई समूहों से जुड़ी साड़ियों और टेक्सटाइल का संग्रह देखने को मिलता है। खास बात यह है कि टीम सीधे बुनकरों और कारीगरों से उत्पाद खरीदती है, ताकि उन्हें उनकी कला और मेहनत का उचित मूल्य मिल सके। स्टोर का उद्देश्य सिर्फ खूबसूरत साड़ियां उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध बुनाई और हस्तशिल्प विरासत को संरक्षित करना भी है। यहां त्योहार, विवाह और विशेष अवसरों के लिए पारंपरिक सुंदरता से लेकर आधुनिक पसंद तक के डिजाइन उपलब्ध हैं।

एएचए फैशन का संदेश स्पष्ट है— हर साड़ी में भारत की विरासत और हर बुनाई में कारीगर का हुनर। रांचीवासियों के लिए यह स्टोर भारतीय कला और फैशन की खूबसूरत विरासत से जुड़ने का नया अवसर लेकर आया है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बदलता भारत, बनता भारत

प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस हमें अपने राष्ट्र के अतीत पर चिंतन करने और भविष्य पर विचार करने का अवसर देता है। स्वतंत्रता के पिछले 80 वर्षों में भारत में आए कुछ परिवर्तनों को याद करने का यह मेरा एक प्रयास है। यह परिवर्तन केवल हमारी अर्थव्यवस्था, शहरों या प्रौद्योगिकी में ही नहीं, बल्कि आम भारतीयों की आकांक्षाओं, आत्मविश्वास और दृष्टिकोण में भी देखा गया है। आज का भारत 1947 में औपनिवेशिक शासन से मुक्त हुए भारत से बहुत अलग है। आर्थिक दृष्टि से सबसे बड़ा अंतर यही है। स्वतंत्रता के बाद के शुरूआती दशकों में संसाधनों की कमी थी, अवसर सीमित थे और विशाल जनसंख्या की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना एक चुनौती थी। भारत आज विश्व की महान आर्थिक शक्तियों में से एक है; आधुनिक उद्योग, विकसित होता बुनियादी ढांचा और उद्यमशीलता की नई भावना, महत्वाकांक्षी युवा पीढ़ी। सड़कों, हवाई अड्डों, मेट्रो, डिजिटल नेटवर्क और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण स्थान और लोग एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। एक युवा ऑनलाइन पढ़ाई कर सकता है, किसी दूसरे शहर की कंपनी में काम कर सकता है और यहां तक ??कि पूरे देश में लोगों को सेवा प्रदान करने वाला व्यवसाय भी चला सकता है। पिछली पीढ़ियों के लिए ऐसी संभावनाओं की कल्पना करना भी मुश्किल रहा होगा। शायद इस बदलाव में प्रौद्योगिकी का सबसे बड़ा योगदान है। मोबाइल फोन अब सिर्फ संचार का साधन नहीं रह गया है। यह एक बैंक, कक्षा, बाजार, कार्यालय और सूचना का स्रोत बन गया है। ऑनलाइन भुगतान ने हमारे दैनिक जीवन में क्रांति ला दी है और अनेक सार्वजनिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। प्रौद्योगिकी ने भारत को सूचना और अवसरों के मामले में कई मायनों में अधिक जुड़ा हुआ और अधिक लोकतांत्रिक बनाया है। लेकिन प्रगति का सच्चा सूचक प्रौद्योगिकी नहीं है, बल्कि यह है कि प्रौद्योगिकी आम आदमी के जीवन को कैसे प्रभावित करती है। भारतीयों और उनके राष्ट्र के आत्मविश्वास में अद्भुत परिवर्तन आया है। कुछ पीढ़ियों पहले, पश्चिम के प्रति प्रशंसा और कभी-कभी हीनता की भावना प्रचलित थी। आज, हमारे युवा खुद को विश्व के सर्वश्रेष्ठ लोगों के बराबर मानते हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उद्यमशीलता, पेशेवर क्षेत्र, कला एवं खेल के क्षेत्र में भारतीय नागरिक विदेशों में अपनी पहचान बना रहे हैं। साथ ही, भारत की संस्कृति, भाषाओं, परंपराओं और इतिहास का पुनरुद्धार हो रहा है। आधुनिकता और जड़ों से जुड़ाव की अवधारणा अब विरोधाभासी नहीं रह गई है। प्रगति के बावजूद, हमारी समस्याएं कम नहीं हुई हैं। हमारे पास विश्व स्तरीय हवाई अड्डे और डिजिटल बुनियादी ढांचा है, लेकिन कुछ समुदाय अभी भी स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हमारे पास बेहतरीन व्यवसाय और कुशल कर्मचारी हैं, फिर भी लाखों युवा स्थिर और लाभकारी रोजगार की तलाश में हैं। शहरों के विकास के साथ-साथ, कई शहर प्रदूषण, भीड़भाड़ और खराब शहरी नियोजन से जूझ रहे हैं। आर्थिक विकास ने अपार अवसर पैदा किए हैं, लेकिन सभी नागरिकों को इसका समान लाभ नहीं मिल रहा है। संतुलित आलोचना का महत्व यहीं पर है। अपने देश की कमियों से अवगत हुए बिना उससे प्रेम करना संभव नहीं है। वास्तव में, सच्ची देशभक्ति हमें उन चीजों को स्वीकार करने का साहस देती है जिन्हें बदलने की आवश्यकता है। एक सशक्त लोकतंत्र में असहमति और आलोचना को सहन किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हित केवल आर्थिक विकास, सैन्य शक्ति और अंतरराष्ट्रीय शक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसमें सामाजिक सद्भाव, सुदृढ़ संस्थाएं, समान अवसर, सभी नागरिकों के लिए गरिमा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास भी शामिल होना चाहिए। यदि देश का कोई भविष्य है तो उसे कठिन प्रश्नों को स्वीकार करने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास होना चाहिए। हमारे लिए भी भारत की यह अवधारणा अनूठी है। भारत केवल आधुनिक युग की एक राजनीतिक इकाई नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों के इतिहास, विभिन्न परंपराओं, भाषाओं, दर्शनों और सांस्कृतिक प्रभावों से परिपूर्ण एक सभ्यता है। विविधता को स्वीकार करना और एकरूपता की मांग न करना हमेशा से इसका गुण रहा है। हमारे सामने चुनौती यह है कि हम इस सभ्यतागत स्वरूप को बनाए रखें और साथ ही तेजी से बदलती दुनिया की संभावनाओं को भी स्वीकार करें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत प्रौद्योगिकियों और सांस्कृतिक जड़ों के बीच संतुलन होना चाहिए। आधुनिक शहर बनने चाहिए लेकिन उनमें सामुदायिक भावना भी होनी चाहिए। हमें विश्व के साथ अधिक एकीकृत होने की आवश्यकता है लेकिन अपनी संस्कृति को लेकर असुरक्षित नहीं होना चाहिए। एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि उसने लोकतंत्र को कायम रखा और विकसित किया। अब तक, विभिन्न भाषाओं, धर्मों, भौगोलिक पृष्ठभूमि, समुदायों और आर्थिक स्थिति वाले लोगों से भरा यह विविध राष्ट्र संवैधानिक ढांचे के भीतर अपने मतभेदों को सुलझाने में सक्षम रहा है। हालांकि यह लोकतंत्र अभी पूर्ण नहीं है, फिर भी असहमति एक ताकत हो सकती है। यह इस बात का संकेत हो सकता है कि लोग अभी भी अपने समाज के भविष्य पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे मतभेद विभाजन में न बदलें और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भारत की अवधारणा को कमजोर न करे। हमारी यात्रा का अगला कदम प्रभावशाली आंकड़ों और दिखाई देने वाले बुनियादी ढांचे से परे सोचने की आवश्यकता को दशार्ता है। भविष्य के भारत का मूल्यांकन शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण की गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा। युवाओं को अवसर प्रदान करना, अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, सार्वजनिक संस्थानों की गुणवत्ता को सुदृढ़ करना और समावेशी विकास को बढ़ावा देना आवश्यक है। यदि सभी युवा भारतीयों को सीखने, काम करने और योगदान देने के समान अवसर मिले तो जनसांख्यिकीय लाभांश हमारे लिए वरदान साबित होगा।

भारत के 80वें वर्ष को देखते हुए, मुझे एक ऐसा देश नजर आता है जिसने लंबा सफर तय किया है। हम एक नव स्वतंत्र देश से, जहाँ गरीबी और अभाव एक समस्या थी, एक ऐसे देश के रूप में उभरे हैं जिसके पास महत्वपूर्ण आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक क्षमताएँ हैं। लेकिन यह सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। अगली चुनौती न केवल अधिक समृद्ध और शक्तिशाली बनना है बल्कि अधिक न्यायसंगत, अधिक एकजुट और अधिक आत्मविश्वासी बनना भी है।हमें अपने पूर्वजों से राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। हमारा कर्तव्य है कि हम आने वाली पीढ़ी को अधिक अवसर और अपनेपन की भावना प्रदान करें। हमें एक ऐसा भारत बनाना है जो समृद्ध हो लेकिन उदासीन न हो, शक्तिशाली हो लेकिन अहंकारी न हो, आधुनिक हो लेकिन अपनी जड़ों को न खोए और विविधतापूर्ण हो लेकिन विभाजित न हो। इसलिए, 80वां स्वतंत्रता दिवस हमारी प्रगति का उत्सव होने के साथ-साथ इस बात का स्मरण भी दिलाना चाहिए कि हमें अभी लंबा सफर तय करना है। जो भारत हमें प्राप्त हुआ है, वह पीढ़ियों के बलिदान और प्रयासों का फल है। जो भारत हम पीछे छोड़ेंगे, वही हमारे योगदान का मापदंड होगा।

नाग पंचमी पारिस्थितिकी के पहरेदार

नाग पंचमी पर नाग देवताओं की पूजा का विशेष विधान बताया गया है। कहीं नागों की प्रतिमाओं पर हल्दी, कुमकुम, अक्षत और पुष्प अर्पित किए जाते हैं तो कहीं मिट्टी अथवा कुश से नाग की आकृति बनाकर उसका पूजन किया जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में अनुष्ठानों की विधियां भिन्न हो सकती हैं लेकिन श्रद्धा का भाव लगभग समान है।

योगेश कुमार गोयल

भारतीय संस्कृति की सबसे विशिष्ट विशेषताओं में एक यह है कि यहां प्रकृति को केवल संसाधन नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न और पूजनीय अंग माना गया है। नदियों, पर्वतों, वृक्षों, पशु-पक्षियों और यहां तक कि धरती के भीतर रहने वाले जीवों के प्रति भी श्रद्धा व्यक्त करने की परंपरा रही है। इसी व्यापक प्रकृति-दृष्टि का विशिष्ट पर्व है नाग पंचमी। इस साल नाग पंचमी 17 अगस्त को श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को है। यह पर्व नागों के प्रति धार्मिक आस्था व्यक्त करने के साथ-साथ मनुष्य और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व की भारतीय अवधारणा को भी सामने लाता है। हिंदू धार्मिक परंपरा में नागों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। भगवान शिव के गले में सुशोभित नाग हों, भगवान विष्णु की शेषनाग पर विराजमान दिव्य छवि हो अथवा समुद्र मंथन में वासुकि नाग की भूमिका, भारतीय पौराणिक आख्यानों में नाग बार-बार शक्ति, संरक्षण, रहस्य, अनंतता और प्रकृति की अदृश्य ऊर्जा के प्रतीक के रूप में सामने आते हैं। यही कारण है कि नाग पंचमी पर नाग देवताओं की पूजा का विशेष विधान बताया गया है। कहीं नागों की प्रतिमाओं पर हल्दी, कुमकुम, अक्षत और पुष्प अर्पित किए जाते हैं तो कहीं मिट्टी अथवा कुश से नाग की आकृति बनाकर उसका पूजन किया जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में अनुष्ठानों की विधियां भिन्न हो सकती हैं लेकिन श्रद्धा का भाव लगभग समान है। नाग पूजा की परंपरा कितनी प्राचीन है, इसका संकेत अनेक पौराणिक ग्रंथों और लोककथाओं में मिलता है। नागवंश की उत्पत्ति का संबंध महर्षि कश्यप और उनकी पत्नी कद्रू से जोड़ा गया है। नागों को पाताल लोक का निवासी बताया गया है। इसे आधुनिक भौगोलिक अवधारणा के रूप में देखने के बजाय प्राचीन भारतीय ब्रह्मांड-कल्पना के संदर्भ में समझना अधिक उचित है। इन आख्यानों में नाग केवल भय उत्पन्न करने वाले जीव नहीं हैं बल्कि वे प्रकृति की ऐसी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें मनुष्य पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता और जिनके साथ संतुलन बनाकर रहना आवश्यक है। नाग पंचमी की विशेषता केवल इतनी नहीं है कि इसमें नागों की पूजा की जाती है। इसकी सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता यह है कि यह मनुष्य को उस जीव के प्रति भी सम्मान करना सिखाती है, जिससे वह स्वाभाविक रूप से भयभीत रहता है। सांप को देखकर मनुष्य की पहली प्रतिक्रिया अकसर डर होती है लेकिन भारतीय परंपरा ने इसी भय को श्रद्धा में बदलने का प्रयास किया। नाग को देवता मानने की परंपरा इस विचार को मजबूत करती है कि प्रकृति में प्रत्येक जीव का अपना महत्व है और मनुष्य को अपनी सुरक्षा के साथ-साथ अन्य जीवों के अस्तित्व का भी सम्मान करना चाहिए। भारत के विभिन्न हिस्सों में नागों को केवल पौराणिक पात्र के रूप में नहीं बल्कि कुलदेवता, ग्राम देवता, क्षेत्रपाल और स्थान देवता के रूप में भी पूजा जाता रहा है। अनेक स्थानों के नाम भी नाग परंपरा से जुड़े दिखाई देते हैं। अनंतनाग, शेषनाग, नागपुर, नागालैंड और भागसूनाग जैसे नाम भारतीय सांस्कृतिक स्मृति में नागों की गहरी उपस्थिति की ओर संकेत करते हैं। इस पर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष इसका पर्यावरणीय महत्व है। आधुनिक विज्ञान ने यह स्पष्ट किया है कि सांप पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक हैं। खेतों और ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले अनेक सांप, चूहों तथा अन्य कृंतकों को खाते हैं। चूहे फसलों, अनाज और खाद्य भंडार को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में सांप प्राकृतिक रूप से उनकी संख्या नियंत्रित करने में योगदान देते हैं। खाद्य- श्रृंखला में उनकी भूमिका जैविक संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

सांपों की किसी प्रजाति के समाप्त होने का प्रभाव केवल उसी प्रजाति तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ सकता है। दुर्भाग्य से नाग पंचमी की आस्था का लाभ उठाकर कुछ स्थानों पर सांपों को पकड़कर प्रदर्शित करने, उन्हें कैद रखने अथवा दूध पिलाने जैसी प्रथाएं भी देखने को मिलती हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से सांपों को दूध पिलाना उनके प्राकृतिक व्यवहार का हिस्सा नहीं है। सांपों का शरीर दूध के लिए अनुकूलित नहीं होता और जबरन दूध पिलाना उनके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसी प्रकार लंबे समय तक सांपों को कैद रखना, उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना या उनके प्राकृतिक आवास से निकालकर धार्मिक प्रदर्शन का साधन बनाना संरक्षण की भावना के विपरीत है। आस्था का सम्मान तभी सार्थक है, जब उसके नाम पर किसी जीव को पीड़ा न पहुंचाई जाए। सांपों की अनेक प्रजातियों को अवैध शिकार, आवासीय क्षेत्र में कमी, सड़क दुर्घटनाओं और मानव-सांप संघर्ष जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी खाल और अन्य जैविक उत्पादों के अवैध व्यापार ने भी कई प्रजातियों के सामने संकट खड़ा किया है। इसलिए नाग पंचमी को वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता का अवसर बनाया जाना चाहिए। लोगों को यह समझाना आवश्यक है कि प्रत्येक सांप विषैला नहीं होता और अधिकांश सांप मनुष्य से दूरी बनाए रखना ही पसंद करते हैं। घर या बस्ती में सांप दिखाई देने पर उसे मारने के बजाय प्रशिक्षित वन्यजीव बचाव दल की सहायता लेना अधिक सुरक्षित और जिम्मेदार व्यवहार है। सर्पदंश से बचाव और उसके उपचार के संबंध में भी वैज्ञानिक जागरुकता बेहद जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कई बार सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक या पारंपरिक उपचार पर निर्भरता देखी जाती है, जिससे उपचार में देरी हो सकती है। सर्पदंश की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करना जीवनरक्षक कदम हो सकता है। नाग पंचमी जैसे व्यापक जनसरोकार वाले पर्व को इस प्रकार की स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी जागरूकता से जोड़ना समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। वास्तव में नाग पंचमी हमें केवल नागों की पूजा करने का अवसर नहीं देती बल्कि यह प्रश्न भी सामने रखती है कि प्रकृति के साथ हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए। यदि हम नाग देवता के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं, लेकिन वास्तविक सांपों को उनके आवास से निकालकर कष्ट पहुंचाते हैं तो हमारी आस्था का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। नागों के प्रति सच्चा सम्मान उन्हें सुरक्षित रहने देना, उनके आवासों की रक्षा करना और उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। नाग पंचमी भारतीय संस्कृति की उस जीवन-दृष्टि का पर्व है, जिसमें मनुष्य स्वयं को प्रकृति का स्वामी नहीं बल्कि उसका एक हिस्सा मानता है। पौराणिक आस्था और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद स्थापित करते हुए यह पर्व हमें सिखा सकता है कि श्रद्धा तभी सार्थक है, जब वह संरक्षण में बदल जाए। नागों के प्रति सम्मान का अर्थ उनके जीवन और प्राकृतिक आवास की रक्षा करना है। यदि नाग पंचमी की धार्मिक चेतना जैव-विविधता संरक्षण, वन्यजीव करुणा और वैज्ञानिक जागरुकता से जुड़ जाए तो यह पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं रहेगा बल्कि मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलित सह-अस्तित्व का प्रभावशाली संदेश बन जाएगा। यही इस प्राचीन पर्व की आधुनिक प्रासंगिकता और इसकी सबसे बड़ी सार्थकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आखिर, मोदी सरकार ने सोनिया-राहुल से वन्दे मातरम का पूरा गान करवा ही लिया !

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने जब कुछ बालकों को साथ लेकर संगठनात्मक कार्य का प्रारंभ किया, तब उनके पास न कोई विशाल संस्थागत ढाँचा था, न संसाधनों की प्रचुरता और न ही किसी स्थापित शक्ति का संरक्षण। उनके पास था-युवा मन, संगठन का संस्कार और राष्ट्र के प्रति समर्पण। शुरूआत में संघ को बच्चों का खेल कहा गया।

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भरत मुनि ने नाट्यशास्त्र में भाव भंगिमाओं के आधार पर व्यक्ति के व्यवहार से उसके आचरण को अभिव्यक्त किया है। वे लिखते हैं, रस की निष्पत्ति (उत्पत्ति) भावों के बिना संभव नहीं है और भावों की अभिव्यक्ति शारीरिक चेष्टाओं यानी भंगिमाओं के माध्यम से ही होती है। ह्वन भावहीनोऽस्ति रसो न भावो रसवर्जितः ह्व(नाट्यशास्त्र, अध्याय 6, श्लोक 85)

इसका अर्थ यह है कि भाव के बिना रस की उत्पत्ति नहीं हो सकती और रस के बिना भाव का कोई अस्तित्व नहीं है। अब इन भावों का एक दृष्य 15 अगस्त के दिन कांग्रेस मुख्यालय में ह्ववंदे मातरमह्व गायन के दौरान राहुल, खड़गे और सोनिया गांधी के इशारों में बात करते हुए देखने को मिला है।

आज भले ही राजनीतिक तौर पर इसके अपने मायने निकाले जाएं, भारतीय जनता पार्टी द्वारा सोनिया गांधी पर ह्ववन्देमातरम्ह्व गीत रोकने की कोशिश करने का आरोप लगाया जाए। जैसाकि ह्ववंदे मातरमह्व की कुछ शुरूआती पंक्तियों के बाद ही सोनियाजी-राहुल को इसे लेकर असहज होते हुए सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है। मगर इतना तो स्पष्ट है कि इनसे आखिरकार मोदी सरकार ने पूरा राष्ट्रगीत गान करवाया है। हालांकि कांग्रेस की ओर से कहा जा रहा है कि सोनियाजी ने ह्ववंदे मातरमह्व रोकने की कोशिश नहीं की थी। वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं। किंतु यह तो ओर भी अनुचित आचरण है, घण्टों भाषण देने खड़े रहने वाले क्या ह्ववंदे मातरमह्व गान के लिए तीन मिनट दस सेकेंड भी सीधे नहीं खड़े हो सकते हैं? स्वभाविक है कि यह प्रश्न हर किसी के मन में आया है, जिसने उक्त वीडियो देखा है। वस्तुतः कभी-कभी इतिहास भी अपने को दोहराता है, वह एक नए रूप में सामने आता है और कहता है, अपने अतीत से सीखो। क्योंकि भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास में पहले भी कांग्रेस के मंचों और नेताओं द्वारा अनुचित व्यवहार किया जाता रहा और राष्ट्रगीत ह्ववंदे मातरमह्व को रोकने का प्रयास हुआ है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मंचों पर ह्ववंदे मातरमह्व को पूरा गाने से रोकने या उसे सीमित करने के मुख्य रूप से तीन बड़े ऐतिहासिक प्रसंग देखने को मिलते हैं, इस गीत के पूरे पाठ को लेकर शुरूआती दौर से ही कांग्रेस के भीतर और बाहर वैचारिक मतभेद दिखे। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने मंच पर वंदे मातरम गाया था। यह पहला अवसर था जब यह गीत सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर गाया गया। सभा में मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम हो गईं। ह्ववंदे मातरमह्व का अर्थ है- हे मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ह्ववंदे मातरमह्व भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों का नारा बन गया था। 7 अगस्त 1905 को कलकत्ता टाउन हॉल की विशाल जनसभा में हजारों छात्रों और प्रदर्शनकारियों ने पहली बार सामूहिक रूप से ह्ववंदे मातरमह्व का नारा लगाया। इसके बाद यह आंदोलन का मुख्य रणघोष बन गया।

बंगभंग (बंगाल का विभाजन) आधिकारिक तौर पर 16 अक्टूबर 1905 को जब तत्कालीन ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड कर्जन ने किया, तब इस विभाजन के विरोध में उपजे आंदोलन को देश के इतिहास में 'वन्दे मातरम आंदोलन' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन पूरे बंगाल में लोगों ने उपवास रखा, एक-दूसरे को राखी बांधी और सड़कों पर नंगे पैर चलते हुए सामूहिक रूप से ह्ववंदे मातरमह्व गाया।

ब्रिटिश सरकार ने बंगाल को हिंदू और मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के आधार पर बांटकर 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाई थी। इसके विरोध में 1906 के बारीसाल सम्मेलन में 10,000 से अधिक हिंदुओं और मुसलमानों ने एक साथ कंधे से कंधा मिलाकर ह्ववंदे मातरमह्व गाते हुए मार्च निकाला, जिसने अंग्रेजों की विभाजनकारी नीति को सीधी चुनौती दी। बंगभंग के विरोध में विदेशी कपड़ों और वस्तुओं के बहिष्कार तथा 'स्वदेशी' (भारतीय) वस्तुओं को अपनाने की शपथ इसी गीत को गाकर ली जाती थी। इस गीत ने आम जनता में देशप्रेम की ऐसी लहर पैदा की कि लोगों ने विदेशी सामानों की होली जलाई। वस्तुतः इस गीत का प्रभाव इतना आक्रामक और तीव्र था कि लॉर्ड कर्जन और ब्रिटिश प्रशासन इससे डर गए। सरकार ने सार्वजनिक स्थानों और स्कूलों में 'वन्दे मातरम' बोलने या गाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया। नारा लगाने वाले छात्रों को कोड़े मारे जाते थे, उन पर भारी जुमार्ने लगाए जाते थे और जेलों में डाल दिया जाता था। ब्रिटिश दमन ने इस गीत को और अधिक लोकप्रिय और क्रांतिकारी बना दिया। इतिहास में हम देखते हैं, यह आंदोलन केवल बंगाल तक सीमित नहीं रहा। ह्ववंदे मातरमह्व के जरिए राष्ट्रवाद की यह गूंज पंजाब, मद्रास (चेन्नई), बम्बई (मुंबई) और आंध्र प्रदेश तक फैल गई। दिसंबर 1905 के वाराणसी कांग्रेस अधिवेशन में इस गीत को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय मंचों पर अनिवार्य कर दिया गया, जिससे यह पूरे भारत की स्वाधीनता की आवाज बन गया। मगर समय बीतने के साथ जैसे-जैसे इस्लामिक सोच राष्ट्रीय आन्दोलन पर भी हावी होने की कोशिश करने लगी, ह्ववंदे मातरमह्व के पूरे गान का भी विरोध होने लगा। जिस कांग्रेस ने इसे कभी राष्ट्रीय स्वर देने में अहम भूमिका निभाई थी, अब विरोध के स्वर वहीं से उठ रहे थे। पहला प्रमुख प्रसंग साल 1923 के काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन का है। इस अधिवेशन की अध्यक्षता मौलाना मोहम्मद अली कर रहे थे। जब प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर परंपरा के अनुसार मंच पर ह्ववंदे मातरमह्व गाने के लिए खड़े हुए, तो मौलाना मोहम्मद अली ने उन्हें बीच में ही टोकते हुए रुकने को कहा। मौलाना का तर्क था कि इस्लाम में संगीत की मनाही है और यह गीत उनके धार्मिक विश्वासों के अनुकूल नहीं है। किंतु पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर कहां रुकने वाले थे, उन्होंने रुकने से साफ मना कर दिया और दृढ़ता से कहा कि यह देश का राष्ट्रीय मंच है। उन्होंने विरोध के बावजूद अपना गायन पूरा किया, जिससे नाराज होकर मौलाना मोहम्मद अली कुछ देर के लिए मंच छोड़कर चले गए थे। 20 अक्टूबर 1937 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा सुभाष चंद्र बोस को लिखी गई एक चिट्ठी में ह्ववंदे मातरमह्व गीत की पृष्ठभूमि, मुस्लिम समुदाय की आपत्ति और सांप्रदायिक राजनीति पर विस्तार से बात की गई। उन्होंने लिखाःश्प्रिय सुभाष, मुझे आनंदमठ का एक अंग्रेजी अनुवाद मिल गया है और वर्तमान में मैं इसे पढ़ रहा हूं ताकि इस गीत की पृष्ठभूमि को समझ सकूं। ऐसा प्रतीत होता है कि इस (उपन्यास की) पृष्ठभूमि से मुसलमानों के असहज या उत्तेजित होने की पूरी संभावना है। इसके बाद सबसे निर्णायक प्रसंग इसी अक्टूबर माह 1937 का है, जब कोलकाता में पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुई। इस बैठक में आधिकारिक तौर पर एक प्रस्ताव पास करके पूरे गीत के बजाय केवल इसके शुरूआती दो छंदों को ही सार्वजनिक मंचों पर गाने की मंजूरी दी गई और शेष हिस्से पर रोक लगा दी गई।

नाग पंचमी पर कैसे पाएं दोष से मुक्ति

हिंदू धर्म में नागपंचमी पर्व का विशेष महत्व होता है। श्रावण माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को यह पर्व मनाया जाता है। इस दिन नाग देवता की पूजा-आराधना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन नागों की पूजा-अर्चना करने से सर्प भय, कालसर्प दोष और सर्पदंश जैसी बाधाओं से मुक्ति मिलती है। वहीं आज लोग नाग देवता को दूध अर्पित करते हैं और उनको स्नान कराकर पूजा आदि करते हैं। साथ ही नाग देवता से सुरक्षा और समृद्धि की कामना करते हैं। तो आइए जानते हैं नाग पंचमी की तिथि, मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व के बारे में...

तिथि और मुहूर्त

वैदिक पंचांग के मुताबिक 16 अगस्त की शाम 04:51 मिनट से पंचमी तिथि की शुरूआत होगी। वहीं 17 अगस्त ती शाम 05:00 बजे इस तिथि की समाप्ति होगी। ऐसे में उदयातिथि के हिसाब से आज यानी की 17 अगस्त को नागपंचमी का पर्व मनाया जा रहा है। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त 06:15 मिनट से लेकर 08:31 मिनट तक है।

क्यों की जाती है नाग देवता की पूजा

भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों से नागों का संबंध जुड़ा माना गया है। जहां भगवान शिव के गले में वासुकी नाग सुशोभित होते हैं। तो वहीं शेषनाग भगवान विष्णु की शैया हैं। श्रीकृष्ण के जन्म के बाद शेषनाग ने उनको और वासुदेव को यमुना पार कराने में मदद की थी। इसके अलावा समुद्र मंथन में भी वासुकी नाग की अहम भूमिका मानी जाती है। यह दिन नाग देवताओं के प्रति सम्मान प्रकट करने का पर्व है।

पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करने के बाद साफ कपड़े पहनें और सूर्य देव को अर्घ्य दें। इसके बाद गाय के गोबर से नाग देवता का चित्र बनाएं और उनका आह्वान करें। अगर आपको व्रत करना हो, तो व्रत का संकल्प करें और फिर गुलाल, अबीर, मेहंदी, मेवा, फूल और दूध आदि अर्पित करें। इसके बाद मंत्रों का जाप करें और पूजा के बाद मनोकामना की पूर्ति के लिए प्रार्थना करें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

जेजेए सदर प्रखंड उपाध्यक्ष विकास रंजन शर्मा अस्पताल में भर्ती

साहिबगंज : जेजेए साहिबगंज जिला सचिव आलोक कुमार के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने रविवार को भागलपुर के जीरो माइल स्थित श्रीराम इमरजेंसी अस्पताल पहुंचकर सदर प्रखंड उपाध्यक्ष विकास रंजन शर्मा के स्वास्थ्य का हालचाल जाना। जहां बीते दिनों विकास रंजन शर्मा का अचानक स्वास्थ्य खराब हो गया था जिसके बाद उसे बेहतर इलाज हेतु श्रीराम इमरजेंसी अस्पताल में परिजनों ने भर्ती कराया था जहां उनका इलाज जारी हैं। इस दौरान जेजेए जिला सचिव आलोक कुमार ने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य एवं इलाज की जानकारी ली जिसमें परिजनों से भी बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया। जहां चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल उनकी हालत में सुधार हो रहा है और स्वास्थ्य की स्थिति पहले से बेहतर बताई जा रही है। उधर जेजेए पदाधिकारियों ने विकास रंजन शर्मा के जल्द पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही संगठन की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया गया। इस मौके पर सदर प्रखंड सचिव अरविंद कुमार यादव, उपाध्यक्ष मुन्ना कुमार यादव, जेजेए सदस्य और प्रस्तावक अमित राज सिंह शामिल हुए ।

विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी प्रदान कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत

साहिबगंज : स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व आयोजित क्रॉस कंट्री दौड़ के विजेता प्रतिभागियों को आज 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह स्थल सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहिबगंज में सम्मानित किया गया।उपायुक्त दीपक कुमार दुबे एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी प्रदान कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया।स्थानीय साक्षरता मोड़ से समाहरणालय तक आयोजित इस दौड़ में पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान सनोत मरांडी, द्वितीय सन्नी कुमार एवं तृतीय बबलू कुमार ने प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में प्रथम क्रांति कुमारी, द्वितीय गीता कुमारी एवं तृतीय रेशमा कुमारी रहीं।

छत से गिरकर सहायक शिक्षक गंभीर रूप से घायल सिलीगुड़ी रेफर

साहिबगंज/उधवा: प्रखंड क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी पंचायत अंतर्गत यूपीएस सुभानटोला के सहायक शिक्षक सह सचिव तजबूल हक शनिवार की दोपहर विद्यालय से सटे अपने घर की छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के मालदा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सिलीगुड़ी रेफर कर दिया।परिजनों के अनुसार, शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद तजबूल हक विद्यालय के ऊपरी तल्ले पर ही थे। काफी देर तक उनके नीचे नहीं आने पर परिजन उन्हें देखने के लिए ऊपरी तल्ले पर पहुंचे। वहां से नीचे देखने पर विद्यालय से सटे घर के ग्राउंड फ्लोर के एक कोने में उन्हें अचेत अवस्था में गिरा हुआ पाया गया। इसके बाद परिजन उन्हें तत्काल मालदा के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उनका उपचार शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि हादसे में शिक्षक के नाक और कान से भी रक्तस्त्राव हुआ है। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर सिलीगुड़ी रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें बेहतर इलाज के लिए सिलीगुड़ी लेकर रवाना हो गए। घटना की सूचना मिलते ही विद्यालय परिवार, पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों और अभिभावकों में चिंता का माहौल है। शिक्षक के सहकर्मियों ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ की है। विद्यालय परिवार ने बताया कि तजबूल हक मेहनती और मिलनसार शिक्षक हैं। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर प्रखंड शिक्षा विभाग के बीपीओ अटल बिहारी भगत ने भी शिक्षक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

गंगा तट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना सौभाग्य की बात : आकाश पांडेय

साहिबगंज : 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर साहिबगंज के गंगा घाट उर्फ सीढ़ी घाट पर आकाश पांडेय ने पूरे उत्साह और राष्ट्रभक्ति के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया।इस दौरान गंगा तट पर देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।ध्वजारोहण के बाद अपने संबोधन में आकाश पांडेय ने कहा कि आजादी के 80 वर्ष पूरे होना हम सभी भारतीयों के लिए गौरव का विषय है।गंगा तट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना मेरे लिए सौभाग्य और गर्व की बात है।उन्होंने कहा कि आज भारत निरंतर विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और देश की प्रगति में हर नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है।उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों और महान क्रांतिकारियों को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग और बलिदान की वजह से ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हुए देश की एकता,अखंडता और विकास के लिए सदैव कार्य करना चाहिए।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं देश की एकता और अखंडता के संकल्प के साथ हुआ।इस अवसर पर प्रमोद पांडेय,विनोद सह,सौरभ मिश्रा,आशीष राय,मीनाक्षी पांडेय,सुमेश पांडेय,ओम पांडेय,हरेराम यादव,भूलन दुबे,अंकित केजरीवाल,शुभम तिवारी,मुकेश यादव,अभिक्रम सिंह,जितेंद्र पासवान,राजेंद्र शर्मा,शिवनाथ सिंह,देवेश तांती,राज सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

तिरुपति में दो करोड़ के 200 स्मार्टफोन की चोरी का साहेबगंज कनेक्शन राधानगर के तीन आरोपी गिरफ्तार

आंध्र प्रदेश से चोरी हुए 200 मोबाइल फोन बरामद

42 आईफोन भी शामिल फरक्का थाना क्षेत्र से पुलिस ने दबोचा

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : आंध्र प्रदेश के तिरुपति में एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान से करीब दो करोड़ रुपये मूल्य के 200 स्मार्टफोन की चोरी के मामले का तार साहेबगंज जिले के राधानगर थाना क्षेत्र से जुड़ गया है। चोरी की बड़ी वारदात की जांच करते हुए तिरुपति पुलिस की टीम साहेबगंज पहुंची, जहां स्थानीय पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करते हुए राधानगर थाना क्षेत्र के तीन कथित आरोपियों को चोरी के मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के अनुसार, 7 और 8 अगस्त 2026 की मध्यरात्रि तिरुपति स्थित सोनोविजन प्राइवेट लिमिटेड नामक दुकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया था। चोर दुकान से करीब 200 स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर फरार हो गए थे। घटना को लेकर तिरुपति पुलिस थाने में कांड संख्या 22/2026, दिनांक 08 अगस्त 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।

साहिबगंज पुलिस से मांगा गया सहयोग

चोरी की जांच के दौरान तिरुपति पुलिस को मामले में साहेबगंज जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के कुछ लोगों के संलिप्त होने की जानकारी मिली। इसके बाद तिरुपति पुलिस की टीम छापेमारी के लिए साहेबगंज पहुंची और स्थानीय पुलिस से सहयोग मांगा।मामले की कि गंभीरता को देखते हुए साहेबगंज के पुलिस अधीक्षक ने राजमहल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बाद एसडीपीओ राजमहल के नेतृत्व में राधानगर थाना पुलिस की टीम ने तिरुपति पुलिस के साथ मिलकर संभावित ठिकानों पर कार्रवाई शुरू की।

फरक्का क्षेत्र से तीनों आरोपी गिरफ्तार

पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए फरक्का थाना क्षेत्र से राधानगर थाना क्षेत्र के रहने वाले तीन आरोपियों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आलम शेख 49 मो. बसीरूद्दीन शेख 56 और टोनीक शेख 33 के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों में आलम शेख उत्तर पियारपुर, मो. बसीरूद्दीन शेख पियारपुर तथा टोनीक शेख खट्टी टोला, उत्तर पलाशगाछी के रहने वाले बताए गए हैं। तीनों राधानगर थाना क्षेत्र के निवासी हैं।

42 आईफोन समेत 200 मोबाइल बरामद

पुलिस की कार्रवाई में चोरी के 200 स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं। बरामद मोबाइल में 42 आईफोन शामिल हैं। इसके अलावा ओपो, वीवो, रियलमी और सैमसंग समेत विभिन्न कंपनियों के स्मार्टफोन भी बरामद होने की बात पुलिस ने कही है। पुलिस के अनुसार, बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपये है।

आलम शेख का लंबा आपराधिक इतिहास

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी आलम शेख का विभिन्न थानों में आपराधिक इतिहास दर्ज है। उसके खिलाफ चोरी, हथियार अधिनियम समेत अन्य गंभीर धाराओं में मामले दर्ज होने का उल्लेख किया गया है। इनमें मऊ कोतवाली, लिट्टीपाड़ा, राधानगर, गाजीपुर, हिरणपुर, महाराष्ट्र के नरमोली तथा सैदपुर गाजीपुर थाना से जुड़े मामले शामिल हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आलम शेख के खिलाफ पूर्व में चोरी, चोरी का सामान रखने/खपाने, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास जैसी धाराओं में मामले दर्ज रहे हैं।

टोनीक शेख पर भी दर्ज हैं मामले

वहीं, गिरफ्तार आरोपी टोनीक शेख का भी आपराधिक इतिहास सामने आया है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ दौलताबाद पुलिस स्टेशन में बीएनएस एवं आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज है। इसके अलावा हरिहरपाड़ा थाना में भी चोरी से संबंधित धारा के तहत कांड दर्ज होने की जानकारी दी गई है।

पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस

दो करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन की चोरी और बरामदगी के बाद अब पुलिस इस पूरे मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। जांच का मुख्य बिंदु यह है कि तिरुपति से चोरी किए गए इतने बड़ी संख्या में मोबाइल फोन को साहिबगंज तक कैसे लाया गया और इसके पीछे किसी संगठित गिरोह की भूमिका थी या नहीं। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि चोरी के मोबाइल फोन को किन लोगों तक पहुंचाया जाना था और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। फिलहाल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक प्रक्रिया पूरी करते हुए अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

स्वतंत्रता दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों और नागरिकों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

साहिबगंज : स्वतंत्रता दिवस 2026 के गरिमामय अवसर पर मुख्य समारोह स्थल सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहिबगंज में जिले के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट, समर्पित एवं सराहनीय कार्य करने वाले कर्मियों व समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले आम नागरिकों को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया गया।समारोह के दौरान उपायुक्त श्री दीपक कुमार दुबे, पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार सिंह एवं जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों द्वारा चयनित कर्मियों एवं नागरिकों को प्रशस्ति पत्र एवं शॉल प्रदान कर उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित कर्मी एवं संस्थाएं जिला समाज कल्याण विभाग से सेविका आशानील मरांडी, श्रुति देवी एवं कुमारी मौसमी घोष शिक्षा विभाग से आदित्य कुमार एवं जूली मुर्मू, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से सुरजी पहाड़िन एवं रेबिना मालतो, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. उदय टुडू, मनीषा मुर्मू, अशोक हरिजन एवं झगड़ु रविदास को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में जेएस एलपीएस से मोती झरना आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड एवं बोरियो आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, खेल विभाग से एमानुएल किस्कू, वन प्रमंडल कार्यालय से अमित कुमार मिश्रा तथा जिला निर्वाचन कार्यालय से सिकन्दर यादव को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।वहीं रक्तदान के क्षेत्र में प्रशांत शेखर तथा कला के क्षेत्र में अमृत प्रकाश एवं श्याम विश्वकर्मा को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दो बाइकों की आमने सामने टक्कर में चार घायल

मौके पर पहुंची पुलिसघायलों को भेजा अस्पताल,दो बाइक भी जब्त

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के बरहरवा-उधवा मुख्य सड़क पर थाना के समीप शुक्रवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक पर सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में दो बरकत मोड़ दो दरगाहडांगा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, दरगाहडांगा के दो युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर बरहरवा की ओर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उनकी आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गईं और चारों सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद लोगों की भीड़ उमड़ गई। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना राधानगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सहायक अवर निरीक्षक मो. सरफुद्दीन खान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को इलाज के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेजा। वहीं, पुलिस ने घटनास्थल से दोनों क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिलों को जब्त कर थाना ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्रभात फेरी, परेड एवं बैंड प्रदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दल सम्मानित

संवाददाता

साहिबगंज : 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य मंच से प्रभात फेरी परेड व बैंड प्रदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को उपायुक्त दीपक कुमार दुबे एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह द्वारा ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।प्रभात फेरी में प्रथम स्थान संत जेवियर्स विद्यालय अंग्रेजी माध्यम द्वितीय स्थान राजस्थान मध्य विद्यालय और तृतीय स्थान मुख्यमंत्री कन्या विद्यालय पोखरिया ने प्राप्त किया। विजेता विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों प्रधानाध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया।वहीं, परेड में एनसीसी साहिबगंज महिला टुकड़ी ने प्रथम, झारखंड ग्रामीण पुलिस पुरुष टुकड़ी ने द्वितीय तथा संत जेवियर्स विद्यालय अंग्रेजी माध्यम महिला टुकड़ी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बैंड प्रदर्शन में कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालय साहिबगंज प्रथम एवं जवाहर नवोदय विद्यालय साहिबगंज ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए।सभी विजेता टुकड़ियों को मुख्य मंच से उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या में पंडित दीनदयाल उपाध्याय टाउन हॉल, साहिबगंज में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे, उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्र, अपर समाहर्ता श्री विजय कुमार एवं परियोजना निदेशक, आईटीडीए श्री संजय कुमार दास द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं भारतीय संस्कृति की भावना से ओत-प्रोत मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति का संदेश दिया।सांस्कृतिक कार्यक्रम में टिनीटि एंजेल विद्यालय, संत जेवियर्स विद्यालय अंग्रेजी माध्यम, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय, संत जेवियर्स

विद्यालय हिंदी माध्यम मध्य विद्यालय तालबन्ना, आदया डांस एकेडमी, संत तेरेसा एकेडमी, पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, संत जोसेफ एकेडमी एवं पीएम श्री उत्कृष्ट विद्यालय नगर पालिका, साहिबगंज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।प्रस्तुतियों के मूल्यांकन के उपरांत संत जेवियर्स विद्यालय अंग्रेजी माध्यम को प्रथम पुरस्कार, सी0एम0 उत्कृष्ट विद्यालय बड़ा पचगढ़ को द्वितीय पुरस्कार तथा संत तेरेसा एकेडमी को तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान टाउन हॉल में उपस्थित हजारों की संख्या में आमजनों एवं दर्शकों ने विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों का उत्साहवर्धन किया। पूरा परिसर राष्ट्रप्रेम, उत्साह एवं राष्ट्रीय एकता की भावना से ओत-प्रोत रहा।इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी श्री अनुप कुमार, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी श्री उमेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री नयन कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक श्रीमती उर्मिला हांसदा सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र-छात्राएं व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

झामुमो की बैठक केंद्र पर राज्य के अधिकारों में हस्तक्षेप का आरोप

संवाददाता

साहिबगंज : केंद्र सरकार की नीतियों और खनिज संपदा से जुड़े नए विधेयक के विरोध में रविवार को साहिबगंज टाउन हॉल में झामुमो जिला कमेटी की बैठक जिलाध्यक्ष अरुण सिंह की अध्यक्षता में हुई।जबकि मंच का संचालन झामुमो के जिला सचिव सुरेश टुडू ने किया।बैठक में झामुमो के राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा,राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा,बोरियो विधायक धनंजय सोरेन,जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू,नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान समेत पार्टी के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।बैठक में नेताओं ने संसद से पारित खनिज एवं खनिज-युक्त भूमि संबंधी विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि इससे झारखंड जैसे खनिज संपन्न राज्यों के राजस्व और अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।नेताओं ने केंद्र सरकार से विधेयक पर पुनर्विचार कर वापस करने की मांग की।वहीं,खाद्य सुरक्षा कानून में प्रस्तावित बदलाव पर भी चर्चा हुई।झामुमो नेताओं ने कहा कि इससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को मिलने वाले खाद्यान्न पर असर पड़ने की आशंका है।बैठक में राज्य के अधिकारों और गरीबों के हितों की रक्षा के लिए आंदोलन को

मजबूत करने का आह्वान किया गया।मौके पर जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष संजय गोस्वामी,जिला उपाध्यक्ष संजीव शामू हेंब्रम,जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू,केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा,नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान,जिला युवा मोर्चा सचिव मो मारुफ उर्फ गुड्डु,नगर पंचायत अध्यक्ष किताबुद्दीन शेख,केंद्रीय समिति सदस्य मुजीबुर रहमान,अखलाकुर रहमान जिला कार्यकारिणी सदस्य नजरुल इस्लाम,जंग बहादुर सिंह जलेबी सिंह,रहमान अंसारी,छवि हेंब्रम जेम्स किस्कू,महिला मोर्चा अध्यक्ष बसंती हांसदा जिला सचिव संगीता हांसदा,जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष देव सोरेन,मो अली,मो एजाज अंसारी समेत अन्य मौजूद रहें।

देवरिया में राज्य स्तरीय सब-जूनियर बैडमिंटन टूनार्मेंट शुरू, प्रदेश भर से 200 खिलाडी ले रहें हिस्सा

एजेंसी

देवरिया : उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में रवींद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार को ह्यूयोनेक्स सनराइज 2ल्लर्ा उत्तर प्रदेश स्टेट सब-जूनियर बैडमिंटन टूनार्मेंट अंडर-13 वर्ष 2026 का शुभारंभ हुआ। 16 से 18 अगस्त तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 200 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के साथ रैली में हिस्सा लेकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। आयोजन समिति के सचिव अजय सिंह समेत पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर स्मृति-चिह्न एवं तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। पहले दिन अंडर-13 बालक वर्ग में तेजस श्रीवास्तव ने वज्रजीत अरोड़ा को 30-9, ईशान चौधरी ने त्र्यमकेश्वर को 30-14, अधिराज दास ने आयुष बिंद को 30-23 और आयुष्मान राय ने नवजीत सिंह को 30-26 से हराया। विक्रांत सिंह ने प्रियंशु रावत को 30-8 तथा आव्यान हरलालका ने लक्षित राज को 30-26 से पराजित किया। कई अन्य मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

बालिका वर्ग में शिनाया श्रीवास्तव ने प्रशस्ति शर्मा को 30-26 से हराया। फ३2 में अभ्या दीक्षित ने सौम्य सिंह को 30-11, अनायिका ने स्पृहा राव गौतम को 30-26 और मेघन गोयल ने अंबिका झा को 30-15 से पराजित किया। अतिक्षा गेठे ने आरोही गौतम को रोमांचक मुकाबले में 30-29 से हराया। बालक युगल वर्ग में भी खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विभिन्न जिलों की जोड़ियों ने अगले दौर में पहुंचने के लिए जोरदार संघर्ष किया। अब सोमवार 17 अगस्त को सुबह 10 बजे से प्री-क्वार्टरफाइनल और क्वार्टरफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का समापन और फाइनल मुकाबले 18 अगस्त को होंगे।

आउटर दिल्ली की जीत के नायक रहे हर्ष त्यागी बोले- बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों को देता हूं बराबर महत्व

एजेंसी

नई दिल्ली : ाादिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में रविवार रात पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ हाई स्कोरिंग मुकाबले में आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने 21 रन से जीत दर्ज की। टीम की जीत में हरफनमौला हर्ष त्यागी ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया। अपने प्रदर्शन पर बात करते हुए त्यागी ने कहा, ह्लजब मैं बल्लेबाजी के लिए गया तो छह ओवर बचे थे और लक्ष्य 200 रन तक पहुंचना था। मैंने करीब 30 महत्वपूर्ण रन बनाए। गेंदबाजी में मेरे पहले दो ओवर मुश्किल रहे, लेकिन आखिरी दो ओवर में मैंने रनों पर नियंत्रण रखने पर ध्यान दिया। महत्वपूर्ण ओवरों में अपनी गेंदबाजी की रणनीति के बारे में उन्होंने कहा, ह्लमुझे पता था कि इन स्लॉग ओवरों में कुछ रन खर्च हो सकते हैं, लेकिन मुझे अपनी तैयारी पर भरोसा था। मैंने पूरे साल दिल्ली में यॉर्कर और धीमी गेंदों पर काफी काम किया है, ताकि बल्लेबाजों को अनुमान लगाने में परेशानी हो। सबसे महत्वपूर्ण चीज गेंद का सही तरीके से इस्तेमाल करना था। मैंने मैदान पर जो योजना बनाई थी, उसे अच्छी तरह लागू किया। अपने ऑलराउंडर की भूमिका को लेकर त्यागी ने कहा, ह्लमैं अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों को बराबर महत्व देता हूं। मैं खुद को गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में देखता हूं, जो पूरे ओवर गेंदबाजी कर सकता है और निचले क्रम में अच्छी स्ट्राइक रेट के साथ योगदान दे सकता है।ह्व

पहले बल्लेबाजी करते हुए आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने 20 ओवर में 219/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया। यशज शर्मा ने 36 गेंदों में 86 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने प्रियंश आर्य के साथ पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की। आर्य ने 21 गेंदों में 30 रन बनाए। इसके बाद हर्ष त्यागी ने 15 गेंदों में 32 रन की तेज पारी खेली, जबकि अक्षय सैनी ने 23 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से दिग्वेश राठी ने 4 ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। 220 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 को आर्यन गौर और समर्थ सेठ ने शानदार शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 104 रन जोड़े। गौर ने 37 गेंदों में 65 और सेठ ने 24 गेंदों में 42 रन बनाए। हालांकि अमन चौधरी ने अपने पहले तीन ओवर में तीन विकेट लेकर मुकाबले का रुख पलट दिया। इन झटकों से पुरानी दिल्ली 6 की रन गति धीमी पड़ गई और लक्ष्य लगातार दूर होता गया। ललित यादव और अश्विनी चिल्लर ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन आखिरी ओवर में पुरानी दिल्ली 6 को जीत के लिए 41 रन चाहिए थे। आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने आखिरकार मुकाबला 21 रन से अपने नाम कर लिया।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने रचा इतिहास, ट्रेंट रॉकेट्स को हराकर पहली बार जीता द हंड्रेड का खिताब

एजेंसी

लंदन : लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (पूर्व में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स) ने आखिरकार अपने तीसरे प्रयास में खिताब जीत ही लिया। टिम सेफर्ट की तूफानी 72 रन की पारी के दम पर सुपर जायंट्स ने फाइनल में शीर्ष पर रहने वाली ट्रेंट रॉकेट्स को पांच विकेट से हराकर पहली बार पुरुष द हंड्रेड का खिताब अपने नाम किया।

इस जीत के साथ मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने फाइनल में मिली पिछली दो हार का हिसाब भी चुकता कर दिया। टीम 2022 में ट्रेंट रॉकेट्स और 2023 में ओवल इनविंसिबल्स से फाइनल में हार गई थी।

नूर अहमद ने दिलाई रॉकेट्स को शुरूआती सफलता

पहले बल्लेबाजी करने उतरी ट्रेंट रॉकेट्स ने फिन एलन और बेन डकेट के बीच 48 रन की साझेदारी से अच्छी शुरूआत की। हालांकि अफगानिस्तान के कलाई के स्पिनर नूर अहमद ने चार गेंद के भीतर दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मुकाबले का रुख बदल दिया। एनीयूरिन डोनाल्ड ने आते ही नूर पर हमला बोला और पहली छह गेंदों पर 17 रन ठोके, लेकिन वह 19 गेंदों पर 38 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद रॉकेट्स का स्कोर 97/5 हो गया।

ग्रेगरी–सैंटनर ने संभाला मोर्चा

मुश्किल में फंसी ट्रेंट रॉकेट्स को लुईस ग्रेगरी और मिशेल सैंटनर ने संभाला। ग्रेगरी ने लियाम डॉसन और गस एटकिंसन के खिलाफ लगातार छक्के लगाकर आखिरी 30 गेंदों में 61 रन जुटाए और टीम को 100 गेंदों में 158/8 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के सामने 159 रन का लक्ष्य था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर जायंट्स को टिम सेफर्ट ने शुरूआत से ही आक्रामक अंदाज दिया। उन्होंने मोहम्मद आमिर के शुरूआती पांच गेंदों पर 14 रन बटोरे और पॉल वाल्टर के साथ सिर्फ 31 गेंदों में 61 रन की साझेदारी कर दी। सेफर्ट ने महज 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 38 गेंदों में सात छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर टीम की जीत की नींव रखी। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें टूनार्मेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) भी चुना गया। उन्होंने टूनार्मेंट में कुल 394 रन बनाए।

कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंदों पर 23 रन की तेज पारी खेली, जबकि लुस डु प्लॉय ने नाबाद 27 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

आखिरी ओवर में डॉसन ने छक्का लगाकर दिलाया खिताब

सेफर्ट के आउट होने के बाद रॉकेट्स ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की। हेनरिक क्लासेन शानदार कैच पर आउट हुए और माइकल ब्रेसवेल दूसरी गेंद पर खाता खोले बिना लौट गए। मुकाबला आखिरी पांच गेंदों तक पहुंच गया। हालांकि लियाम डॉसन ने दबाव में शानदार संयम दिखाते हुए बेन सैंडरसन की गेंद को मिडविकेट के ऊपर से छक्के के लिए भेज दिया। इस छक्के के साथ सुपर जायंट्स ने 98 गेंदों में 162/5 बनाकर पांच विकेट से जीत दर्ज की और पहली बार द हंड्रेड की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। संक्षिप्त स्कोरः ट्रेंट रॉकेट्स 158/8 (एनीयूरिन डोनाल्ड 38, लुईस ग्रेगरी 32, बेन डकेट 31; नूर अहमद 3/33, सन्नी बेकर 2/34) मैनचेस्टर सुपर जायंट्स 162/5 (टिम सेफर्ट 72; मोहम्मद आमिर 3/29, कैल्विन हैरिसन 2/30) से पांच विकेट से हारी।

शिल्पा शेट्टी ने शेयर किया योग का वीडियो

कहा- आसान लगे तो करके दिखाइए

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी हेल्दी लाइफस्टाइल को काफी जोर देती है और सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को भी इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती रहती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए अपने एक बार फिर योगा के प्रति मोटिवेट करने की कोशिश की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट की। इसमें वे बद्ध मलासना करती नजर आ रही हैं। वीडियो अभिनेत्री शांति से फोकस करते हुए बद्ध मलासना कर रही हैं। वीडियो पोस्ट कर शिल्पा ने लिखा, 'अगर ये करने में मुश्किल लग रहा है तो समझो आपका शरीर आपसे कुछ कहना चाह रहा है, और अगर आसान लग रहा है तो करके देखो, क्योंकि ये आसान नहीं है। उन्होंने आगे लिखा, 'अब बारी है अपनी सैक्रोइलियक जोड़, पेल्विक की मांसपेशियों, कूल्हों और टखनों की फ्लैक्सिबिलिटी बढ़ाने की। चलो देखते हैं कि कितने लोग ये चैलेंज कर पाते हैं।' शिल्पा शेट्टी द्वारा किए गए पोज का नाम बद्ध मलासन है, जिसे अंग्रेजी में बाउंड गार्लैंड पोज कहते हैं। यह योग की एक गहरी मुद्रा है, जो सामान्य मलासन का उन्नत रूप है जिसमें हाथों को पैरों के चारों ओर लपेटकर बंधी हुई स्थिति बनाई जाती है। यह कूल्हों को खोलने, रीढ़ को मजबूत करने और पाचन अंगों की मालिश करने के लिए बहुत उपयोगी है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की बात करें, तो वे हाल ही में फिल्म 'केडी - द डेविल' में नजर आई थीं। फिल्म को कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम समेत कई भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज किया गया था। यह फिल्म 1970 और 1980 के दशक के बेंगलुरु की सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें शिल्पा शेट्टी ने 'सत्यवती' नाम का एक दमदार और रेट्रो किरदार निभाया है। फिल्म में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रेशमा नानैया, जीशु सेनगुप्ता और नोरा फतेही भी थी। फिल्म का संगीत अर्जुन जन्या ने बनाया था, जबकि सिनेमैटोग्राफी और एडिटिंग विलियम डेविड और श्रीकेश अचार ने की थी।

चलो देखते हैं कि कितने लोग ये चैलेंज कर पाते हैं।' शिल्पा शेट्टी द्वारा किए गए पोज का नाम बद्ध मलासन है, जिसे अंग्रेजी में बाउंड गार्लैंड पोज कहते हैं। यह योग की एक गहरी मुद्रा है, जो सामान्य मलासन का उन्नत रूप है जिसमें हाथों को पैरों के चारों ओर लपेटकर बंधी हुई स्थिति बनाई जाती है। यह कूल्हों को खोलने, रीढ़ को मजबूत करने और पाचन अंगों की मालिश करने के लिए बहुत उपयोगी है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की बात करें, तो वे हाल ही में फिल्म 'केडी - द डेविल' में नजर आई थीं। फिल्म को कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम समेत कई भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज किया गया था।

रुक्मिणी वसंत ने किया रिवील

टॉक्सिक में यश के साथ काम करने का क्या असर दिल में रह गया

बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक: एफेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का ट्रेलर एक ग्रैंड लॉन्च इवेंट में रिवील हुआ, जिसने ऑडियंस को पहली झलक दी इस फिल्म की डार्क-ऑब्सेसिव दुनिया की, जहां पावर, क्राइम, रोमांस और धोखे का गाढ़ा मिक्स देखने को मिलता है। धमाकेदार विजुअल्स और larger-than-life स्केल के बीच, डायरेक्टर गीतू मोहनदास और रॉकिंग स्टार यश के लिए रुक्मिणी वसंत के शब्द इस शाम के सबसे यादगार मोमेंट्स में से एक बन गए। स्टेज पर आते ही, फिल्म में रहस्यमयी मेलिसा का किरदार निभा रहीं रुक्मिणी ने गीतू मोहनदास का दिल से शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उन्हें इस कॉम्प्लेक्स किरदार को समझने और एक्टर के तौर पर नई सीमाएं एक्सप्लोर करने के लिए गाइड किया। उन्होंने कहा, मैं गीतू मोहनदास को थैंक यू कहना चाहूंगी, जो एकदम इंक्रेडिबल डायरेक्टर हैं। इस फिल्म और इस कॉम्प्लेक्स कैरेक्टर के दौरान मेरा हाथ थामे रखने के लिए शुक्रिया। कभी हार न मानने के लिए शुक्रिया। आपने मुझे हमेशा और आगे जाने के लिए पुश किया और मुझसे और ज्यादा डिमांड किया। मैंने बहुत कुछ सीखा है और मैं बेहद ग्रेटफुल हूं। ट्रेलर में रुक्मिणी एक बिल्कुल नए और चौंकाने वाले अवतार में नजर आती हैं, अपने girl-next-door इमेज से हटकर मेलिसा के किरदार को एक शार्प और रहस्यमयी अंदाज में जीती हुईं। उनका किरदार क्राइम, रोमांस और धोखे की दुनिया में गहराई से जुड़ा हुआ लगता है, जो फिल्म की पावरफुल फीमेल कास्ट में एक और दिलचस्प लेयर जोड़ता है। रुक्मिणी ने रॉकिंग स्टार यश का भी खास जिक्र किया और फिल्म के दौरान मिले उनके सपोर्ट, ट्रस्ट और क्रिएटिव फ्रीडम की तारीफ की। उनके साथ काम करने के एक्सपीरियंस को याद करते हुए उन्होंने कहा, यश सर, मैं आपके बारे में एक आर्टिस्ट और एक स्टार के तौर पर बहुत कुछ कह सकती हूं। लेकिन जो बात शुरुआत से मेरे साथ रही और आगे भी रहेगी, वो ये है कि मैं सेट पर एक एक्टर के तौर पर आई थी और आपने मुझे एक कोलैबोरेटर बनने के लिए इनवाइट किया। इस जेनेरोसिटी के लिए थैंक यू। ये स्पिरिट मैं हर सेट पर लेकर जाऊंगी, कि मैं भी एक स्ट्रॉन्ग कोलैबोरेटर और फिल्म की कंट्रीब्यूटर बन सकूं। मैं आपकी फैन हूं और आपसे बहुत प्यार करती हूं। टॉक्सिक: एफेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर में रिलीज होने के लिए तैयार है, और रुक्मिणी वसंत मेलिसा के रूप में स्क्रीन पर एक बिल्कुल अलग रंग लेकर आने वाली हैं। इसके अलावा, एक्ट्रेस जल्द ही NTR Jr के साथ अपकमिंग फिल्म Dragon में भी नजर आएंगी।

स्कूलों में लड़कियों को पीरियड्स और वेल-बीइंग के अलावा फाइनेंस हैंडल करना भी सिखाया जाए - कृति खरबंदा

मैंने 17 साल की उम्र में कमाना शुरू कर दिया था। मैंने अपने परिवार की जिम्मेदारी भी उठाई है और मुझे इस बात पर बहुत गर्व है। कृति ने यह भी बताया कि इस साल फरवरी से उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू कर दी है और फिलहाल जियोपॉलिटिक्स के साथ अपने फाइनेंस को भी संभालना सीख रही हैं। उन्होंने कहा, पहली बार मैं अपना पूरा फाइनेंशियल पोर्टफोलियो खुद संभाल रही हूं, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसे मुझे खुद करना सीखना जरूरी है। फाइनेंशियल आजादी को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें यह भी समझना होगा कि दुनिया कैसे काम करती है।

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने नई दिल्ली में आयोजित वी विमेन वॉन्ट कॉन्क्लेव एंड शक्ति अवॉर्ड्स 2026 में फाइनेंशियल शिक्षा को स्कूली स्तर पर शुरू करने की बात की है। उन्होंने अपनी जिंदगी का अनुभव साझा करते हुए ये भी बताया कि उन्होंने न सिर्फ 17 साल की उम्र में ही कमाना शुरू कर दिया था, बल्कि अपने परिवार की जिम्मेदारी भी संभाली थी। कृति ने कहा, मैं हमेशा से एक लड़की और एक महिला के तौर पर आत्मनिर्भर होने की समर्थक रही हूं। मैंने 17 साल की उम्र में कमाना शुरू कर दिया था। मैंने अपने परिवार की जिम्मेदारी भी उठाई है और मुझे इस बात पर बहुत गर्व है। कृति ने यह भी बताया कि इस साल फरवरी से उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू कर दी है और फिलहाल जियोपॉलिटिक्स के साथ अपने फाइनेंस को भी संभालना सीख रही हैं। उन्होंने कहा, पहली बार मैं अपना पूरा फाइनेंशियल पोर्टफोलियो खुद संभाल रही हूं, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसे मुझे खुद करना सीखना जरूरी है। फाइनेंशियल आजादी को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें यह भी समझना होगा कि दुनिया कैसे काम करती है। विशेष रूप से स्कूलों में फाइनेंशियल शिक्षा की जरूरत पर जोर देते हुए कृति ने यह भी कहा, जिस तरह हम हर महीने पीरियड्स और ओवरऑल वेल-बीइंग की बात करते हैं, उसी तरह बच्चों को यह भी सिखाया जाना चाहिए कि पैसे कैसे कमाते हैं, बचाते हैं, इन्वेस्ट करते हैं और फाइनेंस कैसे काम करता है। मुझे लगता है कि यह शिक्षा स्कूल से ही मिलनी चाहिए। इसके अलावा मैं समझती हूं कि फाइनेंशियल प्लान को भी समय के साथ बदलते रहना चाहिए। लोग म्यूचुअल फंड और एसआईपी की बात करते हैं और मैं भी इनके पक्ष में हूं, लेकिन आपको लगातार खुद को और अपनी रणनीति को विकसित करते रहना होगा। अगर करियर के फैसले हमेशा के लिए नहीं होते, तो हमारे फाइनेंशियल प्लान अलग क्यों होने चाहिए? है ना।

वाराणसी : नागपंचमी पर नागकूप में उमड़ा आस्था का सैलाब, नागेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में नागपंचमी पर्व पर सोमवार को नवापुरा (जैतपुरा) स्थित प्राचीन नागकूप में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर से ही रिमझिम फुहारों व बारिश के बीच नागकूप के दर्शन-पूजन और नागेश्वर महादेव के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। भक्तों ने नागकूप का दर्शन कर परिसर स्थित नागेश्वर महादेव के दरबार में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और परिवार, समाज तथा देश में सुख-शांति की कामना की। मंदिर के गर्भगृह में भोर में महादेव की विधिवत पूजा और मंगला आरती के बाद आम श्रद्धालुओं के लिए पट खोल दिए गए। पुजारी की देखरेख में भगवान नागेश्वर महादेव का बिल्वार्चन और दुग्धाभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प, हल्दी और अक्षत अर्पित किए। भगवान शिव के गले में विराजमान सर्प देवता की भी श्रद्धालुओं ने पूजा की। नागकूप को कारकोटक वाप तीर्थ के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस प्राचीन कूप का संबंध नागलोक से है। मान्यता है कि शेषावतार नागवंश के महर्षि पतंजलि ने यहां लंबे समय तक तपस्या की थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, काशी के इस प्राचीन नागकूप का इतिहास तीन हजार वर्ष से अधिक पुराना माना जाता है। मान्यता है कि कूप के भीतर सात कुएं हैं और उनके नीचे सीढ़ियों के जरिए मार्ग बना हुआ है, जिसे नागलोक से जोड़कर देखा जाता है। कूप के भीतर शिवलिंग भी स्थापित है। नागपंचमी पर विशेष परंपरा के तहत कूप और कुंड का पानी निकालकर शिवलिंग का श्रृंगार और विशेष पूजा की जाती है। पूजा के बाद पंप बंद कर दिया जाता है और कुछ ही देर में कूप तथा नागकुंड पुनः पानी से भर जाते हैं। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता रवि गुरु के अनुसार, कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए देश में प्रमुख रूप से तीन तीर्थस्थलों का उल्लेख मिलता है, जिनमें काशी का नागकूप विशेष माना जाता है। नागपंचमी पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सर्पदंश के भय से मुक्ति की धार्मिक मान्यता के चलते भी लोग नागकुंड में स्नान और पूजा करते नागपंचमी के अवसर पर सोमवार शाम नागकूप परिसर में परंपरागत शास्त्रार्थ सभा का आयोजन किया जाएगा। नागकूप शास्त्रार्थ समिति की ओर से आयोजित इस सभा में संस्कृत के विद्वान विभिन्न विषयों पर शास्त्रार्थ करेंगे। मान्यता है कि शेषावतार महर्षि पतंजलि ने इसी क्षेत्र में अपने गुरु महर्षि पाणिनी की व्याकरण परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ह्यमहाभाष्यह्ण की रचना की थी। योगसूत्र की रचना से भी इस स्थान की परंपरा को जोड़ा जाता है। नागपंचमी पर नागकूप में शास्त्रार्थ की परंपरा भी इसी प्राचीन विद्वत परंपरा की महत्वपूर्ण कड़ी मानी जाती है।

दिल्ली में ई-रिक्शा की बैटरी फटने से मकान में लगी आग, दो की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली में पश्चिमी जिले के रघुबीर नगर में सोमवार तड़के ई-रिक्शा की बैटरी फटने से एक मकान में आग लग गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सफेद (17) और मोहम्मद सामिद (38) के रूप में हुई है। दमकल विभाग के अनुसार, तड़के करीब 4:42 बजे रघुबीर नगर के मस्जिद गुरुद्वारा रोड स्थित आर-17ए में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को भेजा गया। दमकल अधिकारियों ने आग पर काबू पाने की कार्रवाई शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मकान की पहली मंजिल पर घरेलू सामान रखा था। इसी दौरान ई-रिक्शा की बैटरी में जोरदार विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग फैल गई। इमारत ग्राउंड फ्लोर के अलावा चार मंजिल की

बनी हुई है। आग लगने के दौरान वहां मौजूद दोनों युवक इसकी चपेट में आकर झुलस गए। दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही दोनों को निकालकर गुरु गोविंद सिंह अस्पताल, रघुबीर नगर पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दमकल अधिकारियों ने करीब 5:25 बजे आग से संबंधित कार्रवाई समाप्त होने की सूचना दी। अधिकारियों के मुताबिक आग घरेलू सामान तक सीमित थी। हादसे के सही कारणों और बैटरी में विस्फोट की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां मौके से साक्ष्य जुटाकर आगे की कार्रवाई कर रही हैं।

बलोच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान के 26 सैन्य अधिकारी मारे

एजेंसी

इस्लामाबाद : बलोचिस्तान को पाकिस्तान से स्वतंत्र कराने के लिए सशस्त्र अभियान का नेतृत्व कर रहे संगठन ने सेना को भारी क्षति पहुंचाई है। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के प्रवक्ता जयंद (जैंद) बलोच ने मीडिया को भेजे बयान में कहा कि पाकिस्तान के क्रूर शासकों के इशारों पर कत्लेआम करने वाली संघीय सेना से बदला लिया गया है। बीएलए के लड़ाकों ने बलोचिस्तान में आठ दिनों में 26 सैन्य अधिकारियों को मार गिराया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सेना ने पिछले दिनों सोराब और पंजगुर में निर्दोष लोगों और कैदियों का नरसंहार कर बर्बरता की सारी हदें लांघ दी। यह देखकर हर देशप्रेमी का खून खौल उठा। जैंद बलोच ने 16 अगस्त की देरशाम भेजे बयान में कहा कि विद्रोहियों ने आठ दिन में 22 अलग-अलग स्थानों पर पाकिस्तान सेना और मौत के दस्तों के ठिकानों पर हमला कर 26 सैन्य अफसरों को मार गिराया। इस दौरान मौत के दस्ते के एक सदस्य को जीवित दबोच लिया। जैंद बलोच के मुताबिक, विद्रोहियों ने थानों और सुरक्षा चौकियों समेत कई पुलों को विस्फोट कर उड़ा दिया। नौ सरकारी वाहनों को उड़ा दिया। इस दौरान बीएलए के दो कमांड भी शहीद हो गए। यह झड़पें 9 अगस्त से 16 अगस्त के बीच हुईं। बीएलए विद्रोहियों ने इस दौरान प्रमुख रूप से सैन्य ठिकानों और थानों से सैकड़ों हथियार लूट लिए। 12 अगस्त को दिन में चगाई में चेथर थाने को विस्फोट कर उड़ा दिया गया। इसी दिन रात को कलात के रुडिंजो में सैन्य वाहनों पर हमलाकर 17 अफसर और जवान मार गिराए।रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सेना ने आज सवेरे मस्तंग और खुजदारी में हेलीकॉप्टर से गोलाबारी करते हुए ड्रोन दागे हैं। क्वेटा में अफगान सेना के एक पूर्व कमांडर की गोली लगने से मौत हो गई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, ड्रोन रिहायशी इलाके में दागे गए हैं।

बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में हो रही बारिश, कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

रायपुर : बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदल गया है। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के अनेक हिस्सों में सोमवार सुबह से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में बारिश जारी रहने तथा उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी वर्षा की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तरी ओडिशा तट पर बना कम दबाव का क्षेत्र सशक्त होकर आगे अवदाब (डिप्रेशन) में बदल सकता है। इसके प्रभाव से प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां बढ़ने के आसार हैं।सोमवार सुबह राजधानी रायपुर में हल्की से मध्यम वर्षा के कारण कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति

बनी। शहर में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर सहित कई जिलों के लिए 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा और भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं बस्तर संभाग के कई जिलों में मध्यम वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकांश स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई जिसमें सर्वाधिक 9-9 सेंटीमीटर वर्षा भैसमा और लवन में रिकॉर्ड की गई। ओडगी में 8 सेंटीमीटर, कोटाडोल में 7 सेंटीमीटर तथा बेरला, सिमगा और थानखमरिया में 6-6 सेंटीमीटर वर्षा हुई। इसके अलावा छाल और मनेन्द्रगढ़ में 5-5 सेंटीमीटर तथा तिल्दा, दरी, सुहेला, नांदघाट, कटघोरा, लैलूंगा, पेंड्रा रोड, भाटापारा, सहसपुर लोहारा, कसडोल, हरदीबाजार और कोंटा में 3-3 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब तक मौसमी वर्षा सामान्य श्रेणी में है और सामान्य से 9 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। वहीं सर्वाधिक अधिकतम तापमान पेंड्रा रोड में 32.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

शिव मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब, दूध से जलाभिषेक कर रहे शिवभक्त

एजेंसी

हमीरपुर : उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में सावन के तीसरे सोमवार को यहां शिवमंदिरों में पूजा और अर्चना के लिये श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। एतिहासिक शल्लेश्वर धाम शिव मंदिरों में अभी तक श्रद्धालु पूजा अर्चना कर चुके है। अभी भी शिव भक्तों का तांता लगा हुआ है। पतालेश्वर, नर्वदेश्वर मंदिर समेत तमाम शिव मंदिर है, जिनमें कई मंदिर एतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। सावन के तीसरे सोमवार को नागपंचमी का पर्व होने के कारण श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिरों में उमड़ी। जिले के सरीला स्टेट में सैकड़ों साल पुराने शल्लेश्वर शिव मंदिर में आसपास के दर्जनों गांवों और पड़ोसी जिले से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दूध से जलाभिषेक किया। कार्यक्रम के आयोजक महेन्द्र राजपूत ने बताया कि 11 लाख शिव लिंग का निर्माण पहले सोमवार से चल रहा था जो पूरा हो गया है। अब इन शिवलिंग को पवित्र नदियों में गाजेबाजे के साथ आखिरी सोमवार को विसर्जन किया जायेगा। शिवलिंग की कलश यात्रा निकाली गयी, जिसमें महिलाओं ने मंगल गीत गाते। भगवान भोले नाथ पूजा की। उन्होंने बताया कि अभी तक पचास हजार से अधिक श्रद्धालु यहां शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर चुके हैं। अभी भी हजारों शिव भक्तों का तांता लगा हुआ है। सुरक्षा के मद्देनजर जरिया थाने की पुलिस बल मुस्तैद है। जिले के मौदहा, राठ व कुरारा क्षेत्र में भी शिव मंदिरों में भी पूजा अर्चना का दौर जारी है। इधर, हमीरपुर के यमुना पुल पार आधा दर्जन शिवमंदिरों में सुबह से पूजा अर्चना के लिये शिवभक्तों की भीड़ लाइन लगाये है। इन मंदिरों में रात्रि में जागरण कार्यक्रम सम्पन्न होगा। यमुना नदी किनारे स्थित शिवालय को खूब सजाया गया है। सुबह से ही लोगों की पूजा अर्चना करने की लम्बी भीड़ लगी है। मंदिर में तिल रखने की भी जगह नहीं है। इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग को भक्तों ने यमुना नदी के जल से रुद्राभिषेक किया है। दोपहर बाद यहां शिव कथा और अन्य धार्मिक अनुष्ठान कराया जा रहा है। कारीमाटी गांव के पास मन्नेश्वर मंदिर में विशाल मेले का आयोजन किया गया है।

कोरबा : मिनीमाता बांगो बांध का जलस्तर 94 प्रतिशत के पार, 49,828 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, निचले इलाके में अलर्ट

एजेंसी

कोरबा : छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश के बीच कोरबा जिले के मिनीमाता हसदेव बांगो जलाशय में बढ़ती जल आवक को देखते हुए सोमवार सुबह बांध से पानी छोड़ने की मात्रा बढ़ा दी गई। जल संसाधन विभाग ने सुबह करीब 10 बजे से अतिरिक्त 8,828 क्यूसेक पानी छोड़ा, जिसके बाद कुल जल छोड़ाव बढ़कर 49,828 क्यूसेक प्रति सेकंड हो गया है। विभाग ने हसदेव नदी के किनारे और निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। जलाशय की ताजा स्थिति के अनुसार सुबह बांध का जलस्तर 358.70 मीटर दर्ज किया गया, जो कुल क्षमता का करीब 94.24 प्रतिशत है। पिछले 10 घंटे में जलस्तर में करीब 7 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। वर्तमान में बांध के 9 गेट खुले हैं और इनसे करीब 41,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। जल निकासी की प्रक्रिया 16 अगस्त की सुबह 8:45 बजे से लगातार जारी है। जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 9 बजे से लगभग दो घंटे तक क्षेत्र में तेज बारिश हुई। सोमवार सुबह भी करीब 45 मिनट तक तेज बारिश जारी रही। लगातार बारिश के कारण जलाशय में पानी की आवक बढ़ रही है। इसी को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने गेटों से पानी के डिस्चार्ज की मात्रा बढ़ाने का निर्णय लिया है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता संतोष कुमार भारती ने सोमवार को बताया कि जलाशय में पानी की आवक और लगातार हो रही बारिश को देखते हुए गेटों से पानी छोड़ने की मात्रा बढ़ाई जा रही है। करीब 10 बजे से अतिरिक्त 8,828 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे कुल डिस्चार्ज बढ़कर 49,828 क्यूसेक हो गया। उन्होंने निचले क्षेत्रों के लोगों से सतर्क रहने और नदी-नालों के आसपास नहीं जाने की अपील की है। बांध से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण हसदेव नदी और आसपास के नदी-नालों में जलस्तर बढ़ सकता है। विभाग ने लोगों से नदी, नाले और जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास जाने से बचने की अपील की है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने तथा किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने कहा गया है।

एफडीए की कार्रवाई स्वागत योग्य, कानून से ऊपर कोई नहीं : खंडेलवाल

नई दिल्ली : महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन एवं टाइगर श्रॉफ को विमल इलायची के प्रचार-प्रसार से जुड़े मामले में नोटिस जारी किया जाना बहुत ही कानून सम्मत एवं एक स्वागतयोग्य कदम है। सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। सांसद एवं कैट महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने सोमवार को कहा कि यह संदेश स्पष्ट रूप से जाना चाहिए कि देश में कानून, नियम और उपभोक्ता हित सर्वोपरि हैं तथा किसी भी व्यक्ति की लोकप्रियता या सेलिब्रिटी हैसियत उसे कानूनों के पालन से छूट नहीं दे सकती। खंडेलवाल ने कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि कुछ प्रसिद्ध बॉलीवुड

हस्तियां केवल व्यावसायिक लाभ के लिए ऐसे उत्पादों के प्रचार से जुड़ जाती हैं, जिनके विज्ञापन और ब्रांडिंग को लेकर गंभीर कानूनी एवं नैतिक प्रश्न उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोग इन सेलिब्रिटीज को अपना आदर्श मानते हैं। ऐसे में उनकी सामाजिक जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। यदि वे स्वयं नियमों की अनदेखी करते दिखाई दें, तो समाज में गलत संदेश जाता है और कानून के प्रति सम्मान कमजोर पड़ता है। उन्होंने कहा की दुर्भाग्य से आजकल कानूनों और नियमों की अवहेलना करना एक प्रकार का फैशन बनता जा रहा है। चाहे कुछ चर्चित सेलिब्रिटी हों या फिर देश में निवेश करने वाली कुछ विदेशी निवेश (एफडीआई) आधारित कंपनियां, अनेक मामलों में ये देखा गया है कि नियमों की सीमाओं को जानबूझकर लांघने या उनका मनमाना अर्थ निकालने का प्रयास किया जाता है। यह प्रवृत्ति अत्यंत गंभीर है और इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। खंडेलवाल ने जोर देकर कहा की व्यापार, उद्योग, मनोरंजन जगत अथवा किसी अन्य क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों के लिए एक समान नियम होने चाहिए। यदि आम नागरिक और छोटे व्यापारी कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य हैं, तो बड़े ब्रांड, बड़ी कंपनियां और बड़े चेहरे भी उसी कसौटी पर परखे जाने चाहिएं। कानून का सम्मान ही स्वस्थ व्यापारिक व्यवस्था और उत्तरदायी समाज की नींव है। उन्होंने उम्मीद जताई है की महाराष्ट्र एफडीए इस मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या संस्था अपनी लोकप्रियता, प्रभाव अथवा आर्थिक शक्ति के बल पर नियमों को दरकिनार करने का साहस न कर सके। देश में कानून का राज स्थापित रहना चाहिए और यह सिद्धांत व्यवहार में भी दिखाई देना चाहिए कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक दिन पहले अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ तीनों अभिनेताओं को विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) कारण बताओ नोटिस जारी किया है। महाराष्ट्र में पान मसाला पर फिलहाल प्रतिबंध है, जिसके चलते राज्य एफडीए ने इस विज्ञापन को गंभीरता से लिया है।

शिमला में टैंकर और कार की टक्कर में दो पुलिस जवानों की मौत

शिमला : हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में रविवार देर रात हुए एक सड़क हादसे ने पुलिस विभाग को गहरे सदमे में डाल दिया। शहर की टालैंड-खलीनी सड़क पर एक कार और टैंकर की टक्कर में शिमला पुलिस के दो जवानों की मौत हो गई। दोनों पुलिसकर्मी पुलिस लाइन कैंथू में तैनात थे और शिमला जिले के रहने वाले थे।

पुलिस के अनुसार हादसा टालैंड के पास उस समय हुआ जब कार नंबर लढ 52अ-2767 और टैंकर नंबर लढ 92अ-9229 के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दोनों पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। बचाव दल इन्हें अस्पताल ले गया, जहां इनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान हेड कांस्टेबल प्रवीण मेहता और कांस्टेबल हेमंत कुमार के रूप में हुई है। हेमंत कुमार की उम्र 32 वर्ष बताई जा रही है, जबकि प्रवीण मेहता की उम्र करीब 51 वर्ष थी। दोनों लंबे समय से पुलिस विभाग में सेवाएं दे रहे थे और वर्तमान में पुलिस लाइन कैंथू में तैनात थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। हालांकि दोनों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। उनके निधन की खबर मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। सोमवार सुबह हादसे की सूचना फैलते ही पुलिस कर्मियों और दोनों जवानों को जानने वाले लोगों में भी दुख का माहौल देखा गया। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहनों की आवाजाही को सुचारू बनाया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने की कार्रवाई की। दोनों जवानों के पार्थिव शरीरों का पोस्टमार्टम करवाने और आगे की औपचारिकताएं पूरी करने की प्रक्रिया जारी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जानकारी में दुर्घटना की सटीक वजह सामने नहीं आई है। जांच अधिकारी दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल कर रहे हैं। टक्कर किस परिस्थिति में हुई और क्या किसी तरह की लापरवाही इसके पीछे थी, इसका पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। यह हादसा ऐसे समय में हुआ है जब प्रदेश में लगातार बारिश के कारण कई सड़कों पर वाहन चालकों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि इस दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन दो पुलिस जवानों की असमय मौत ने उनके परिवारों के साथ-साथ पूरे पुलिस विभाग को गहरा आघात पहुंचाया है।

परिवहन मंत्री अर्जुन सिंह ने दुगार्पुर में की समीक्षा बैठक

दुगार्पुर : दुगार्पुर सर्किट हाउस में रविवार रात परिवहन व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को लेकर राज्य के परिवहन एवं श्रम मंत्री अर्जुन सिंह के नेतृत्व में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बस सेवाओं के उन्नयन, यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, विभिन्न मार्गों पर बस सेवाओं की प्रभावशीलता तथा राजस्व संग्रह बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में विधायक लक्ष्मण चंद्र घोरुई एवं चंद्रशेखर बनर्जी, एसबीएसटीसी के एमडी, डिप्टी एमडी समेत अन्य अधिकारी तथा पश्चिम बर्धमान के आरटीओ व परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। परिवहन मंत्री अर्जुन सिंह ने बताया कि बैठक के दौरान परिवहन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जनोन्मुखी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। विभिन्न मार्गों पर बस सेवाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए यात्रियों की सुविधा, समयबद्ध सेवा तथा सेवा की गुणवत्ता में सुधार के उपायों पर चर्चा हुई। साथ ही राजस्व संग्रह बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में कहा गया कि परिवहन व्यवस्था के प्रत्येक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और जनहितकारी सेवाएं सुनिश्चित करना प्राथमिक लक्ष्य है। अधिकारियों को सेवा व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा यात्रियों की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यविकसित बंगाल, विकसित भारतह्ण के लक्ष्य को साकार करने तथा मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में बेहतर और सुव्यवस्थित परिवहन व्यवस्था विकसित करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की गई।

परम्परा: गांवों में घरों के दरवाजे पर चौकीदारों ने चिपकायें नाग चित्र

हमीरपुर : उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में नागपंचमी के दिन गांवों में घर-घर चौकीदार दरवाजे पर नाग देवता के चित्र चिपकाकर इस पर्व को धूमधाम से मनाये जाने की परम्परा कायम किये है। सोमवार को बीस सालों के बाद नागपंचमी पर्व का अद्भुत संयोग पड? पर चौकीदारों ने सभी के घरों के मुख्य दरवाजों पर नाग चित्र चिपकाये। ग्रामीण इलाकों में महिलाओं ने भैंस के गोबर से नाग की आकृति बनाकर विधि विधान से पूजा अर्चना की। इधर नाग देवता के मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता पूजा और दर्शन के लिये लगा हुआ है। ग्रामीण इलाकों में लोगों ने घरों के मुख्य दरवाजों पर भैंस के गोबर से नाग की आकृति बनाकर पूजन अर्चन किया। पंडित मिथलेश द्विवेदी, समाजसेवी गणेश विद्यार्थी व दिनेश दुबे ने बताया कि सावन का तीसरा सोमवार अद्भुत संयोग लेकर आया है। वर्ष 1999 में नागपंचमी पर्व सोमवार को पड़ा था। बीस सालों के बाद इस साल नागपंचमी सोमवार को पड? से श्रद्धालुओं का विशेष पूजा के लिये उत्साह देखा जा रहा है। जिले के सुमेरपुर, मौदहा, गोहांड, राठ , कुरारा और सरीला सहित समूचे क्षेत्र में नागपंचमी की धूम मची हुयी है। बुन्देलखण्ड के हमीरपुर जिले में हजारों साल पुरानी परम्परा के अनुसार घरों के मुख्य दरवाजों पर भैंस के गोबर से नागों की आकृति बनाकर घी गुड़ से पूजन किया गया। शाम को इन्हीं आकृतियों में गाय का दूध छिड़कर परम्परा का निर्वहन किया जाएगा। बुन्देली परम्परा के मुताबिक गांवों के चौकीदारों ने घर-घर जाकर नाग चित्र चिपकाये है। इन्होंने गांवों के मठ मंदिरों में भी नाग चित्र भेंट किये है। इस मौके पर तमाम जगहों पर आल्हा गायन और दंगल आदि के कार्यक्रम भी किये गये है। शाम को महिलायें सावन गीत एवं मंगल गीत गाकर भुजरियां बोने के लिये मिट्टी लेने गयी है। इस तरह से पूरे क्षेत्र में नागपंचमी का पर्व श्रद्धा, उत्साह के साथ परम्परागत ढंग से मनाया जा रहा है। नागपंचमी के दिन घर-घर में बोयी गयी भुजरियां (कजली) रक्षाबंधन को सरोवरों में विसर्जित की जायेगी। इसके लिये तैयारियां भी शुरू हो गयी है। इधर जिले के कुरारा क्षेत्र के टोडरपुर गांव में स्थित नाग देवता के मंदिर में हजारों की संख्या में लोगों ने आकर नागपंचमी की पूजा की और बेशकीमती पत्थर से बने नाग देवता पर दूध अर्पित किया। यहां दो दिवसीय मेले का भी आयोजन किया गया है। गांव के पंडित मिथलेश द्विवेदी ने बताया कि नाग देवता के मंदिर में पूजा करने के लिये जालौन, फतेहपुर, कानपुर देहात व अन्य आसपास के इलाकों से भारी तादात में श्रद्धालु आये है। मंदिर प्रांगण में भजन कीर्तन का कार्यक्रम भी किया गया है। बता दे कि इस गांव में 22 साल पहले इसलिये नाग देवता का मंदिर बनाया गया था क्योंकि यहां सांपों का आतंक था। मंदिर बनने के बाद आज तक इस गांव में सर्पदंश से एक भी मौत नहीं हुयी है। इधर मुस्करा क्षेत्र के अलरा गांव में भी नाग देवता के मंदिर में लोगों ने पूजा अर्चना की है। यहां मेले का आयोजन किया गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

सीबीएसई ईस्ट जोन जूडो में हीरक शाखा ने लहराया परचम

धनबाद : सीबीएसई ईस्ट जोन जूडो चैंपियनशिप में हीरक ब्रांच धनबाद पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जिले का नाम रोशन किया है। प्रयागराज के गुरुकुल मोंटेसरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में स्कूल के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 पदकों पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही विद्यालय ने अंडर-14 वर्ग में ओवरऑल रनर-अप की ट्रॉफी जीती। सोमवार को स्कूल में विजेता बच्चों का स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-19 वर्ग में स्कूल की अंशिका सिंह ने स्वर्ण पदक हासिल किया। लक्ष्मी कुमारी (अंडर-19) और नायरा (अंडर-14) ने बेहतरीन दांव-पेच दिखाते हुए रजत पदक अपने नाम किए। कांस्य पदक जीतने वालों में संजना कुमारी (अंडर-11), आरोही राय (अंडर-11), खुशी कुमारी (अंडर-14), श्रुति सेन (अंडर-14) तथा प्रिया कुमारी (अंडर-19) शामिल हैं। सभी ने अपनी-अपनी श्रेणी में शानदार खेल दिखाते हुए कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रभाष कुमार डोकानिया और सचिव आलोक चौधरी ने सभी विजेता छात्राओं को सम्मानित किया।

पाइप रोड स्थित भाजपा नेता के घर से साइकिल चोरी सीसीटीवी में कैद हुई घटना

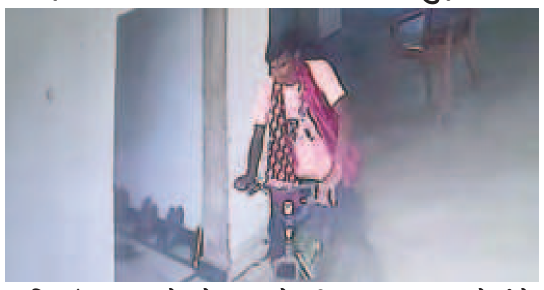

साहिबगंज : नगर क्षेत्र के पाइप रोड स्थित भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमित कुमार सिंह के आवास से साइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है।चोरी की पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति साइकिल ले जाते हुए दिखाई दे रहा है।घटना के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है।पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरी की घटना की जांच में जुटी है और संदिग्ध की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।स्थानीय लोगों ने नगर क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस से गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के वर्षों से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निष्पादन हो : गरिमा साह

साहिबगंज : भाजपा के जिला उपाध्यक्ष गरिमा साह ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का उद्देश्य युवाओं जरूरतमंद लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है।लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में आवेदन एवं प्रकरण वर्षों से लंबित पड़े हैं।जिसके कारण पात्र लाभुकों को योजना का समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना जैसी महत्वपूर्ण योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं,बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने का महत्वपूर्ण साधन है।प्रकरणों के लंबे समय तक लंबित रहने से लाभुकों में निराशा उत्पन्न हो रही है। रोजगार सृजन की प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है।इस संबंध में मांग की जाती है कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के सभी लंबित प्रकरणों की शीघ्र समीक्षा कर उनका समयबद्ध निष्पादन किया जाए,पात्र लाभुकों को स्वीकृति एवं ऋण अनुदान की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो तथा संबंधित विभाग एवं बैंकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए।उन्होंने सरकार एवं संबंधित अधिकारियों से आग्रह है कि इस विषय को प्राथमिकता देते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें,ताकि योजना का वास्तविक लाभ युवाओं तक पहुंचे और स्वरोजगार एवं रोजगार सृजन को गति मिल सके।

ट्रेन से गिरकर मजदूर की मौत

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र की अमानत दियारा पंचायत के 26 वर्षीय मजदूर निताय साहा की तमिलनाडु के कोयंबटूर रेलवे स्टेशन के समीप चलती ट्रेन से गिरने से मौत हो गई। वह मजदूरी करने के लिए केरल जा रहा था। मृतक की पहचान भारत साहा के पुत्र निताय साहा के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार निताय साहा बीते मंगलवार को अपने घर से मजदूरी करने के लिए केरल रवाना हुआ था। शुक्रवार की रात तमिलनाडु के कोयंबटूर रेलवे स्टेशन के समीप वह ट्रेन के गेट पर खड़ा था। इसी दौरान अचानक पैर फिसल जाने से वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। हादसे में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद शव को एंबुलेंस के माध्यम से पैतृक गांव अमानत दियारा लाया जा रहा है।परिजनों के अनुसार मंगलवार तक शव के गांव पहुंचने की संभावना है। युवक की मौत की खबर मिलते ही अमानत दियारा गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, निताय की असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है।

टाटानगर स्टेशन को दिया व्हीलचेयर

जमशेदपुर : दिव्यांग और सीनियर सिटीजन यात्रियों की सुविधा में जुगसलाई निवासी वासुदेव छापोलिया ने सोमवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन को एक व्हीलचेयर उपलब्ध कराया है। इस दौरान टाटानगर के स्टेशन निदेशक सुनील कुमार वाणिज्य उपाधीक्षक चंदन कुमार और पब्लिक रिलेशन इंस्पेक्टर अबीर मिश्रा के अलावा अन्य रेलवे सुपरवाइजर और कर्मचारी उपस्थित थे। स्टेशन निदेशक ने बताया कि व्हीलचेयर के माध्यम से बीमार यात्रियों दिव्यांग और सीनियर सिटीजन को एक से दूसरे प्लेटफार्म पर आवागमन में सहूलियत होगी। असहाय यात्रियों की सुविधा में वासुदेव छापोलिया ने उल्लेखनीय कार्य की है।

222वां श्री श्याम मासिक संकीर्तन की तैयारी शुरू

जमशेदपुर : सावन माह एवं पुत्रदा एकादशी के अवसर पर श्री श्याम दरबार, श्री सत्यनारायण मारवाड़ी मंदिर, बिस्तूपुर में 222वें श्री श्याम मासिक संकीर्तन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष कार्यक्रम का नाम ह्लआशीर्वाद श्याम काह्व रखा गया है। समिति के सचिव श्री प्रभाश मुनका के बताया कि संध्या 7:31 बजे से भव्य श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर हिसार, हरियाणा से सुप्रसिद्ध भजन प्रवाहक श्री कृष्ण गाबा अपने मधुर भजनों से बाबा श्याम का गुणगान करेंगे और श्रद्धालु भक्तों को भक्तिरस में सराबोर करेंगे।

एमएमडीआर संशोधन विधेयक, 2026 पर सांसद बीडी राम ने कहा

निज संपदा को रोजगार और जनकल्याण में बदलना समय की जरूरत

संवाददाता

मेदिनीनगर : सांसद बीडी राम ने खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को झारखंड के लिए खनिज संसाधनों के बेहतर उपयोग, उद्योगों के विस्तार, रोजगार सृजन और विकास की नई संभावनाओं से जोड़ते हुए कहा कि राज्य को केवल खनिज संपदा का मालिक नहीं, बल्कि उसका सबसे बड़ा लाभार्थी बनना चाहिए। लोकसभा ने विधेयक को 12 अगस्त और राज्यसभा ने 13 अगस्त 2026 को पारित किया है।

सांसद ने कहा कि झारखंड देश के प्रमुख खनिज संपदा वाले राज्यों में है। यहां कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, चूना पत्थर, डोलोमाइट, ग्रेफाइट सहित कई महत्वपूर्ण खनिजों के विशाल भंडार हैं। पलामू और गढ़वा में डोलोमाइट तथा पलामू में ग्रेफाइट, लौह अयस्क, कोयला और चूना पत्थर जैसे खनिज उपलब्ध हैं। ऐसे में सवाल यह है कि खनिज संपदा जमीन के नीचे पड़ी रहे या उससे रोजगार, उद्योग, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और जनकल्याण को गति मिले।

राज्य का खनिज राजस्व बंद नहीं होगा

बीडी राम ने कहा कि विधेयक को लेकर यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि इससे राज्यों का खनिज राजस्व समाप्त हो जाएगा, जबकि ऐसा नहीं है। सरकार के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025-26 में कोयला और गैर-कोयला खनिजों से राज्यों को 1,14,549.28 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जबकि केंद्र का हिस्सा 14,833.81 करोड़ रुपये रहा। राज्यों की हिस्सेदारी लगभग 88.53 प्रतिशत रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में राज्यों के खनिज राजस्व में लगभग 354 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य को मिलने वाली रॉयल्टी, नीलामी प्रीमियम, जिला खनिज प्रतिष्ठान, राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण न्यास और वस्तु एवं सेवा कर में हिस्सेदारी जारी रहेगी।

नीलाम खनिज ब्लॉकों को जल्द चालू करने की मांग

सांसद ने कहा कि झारखंड का वास्तविक सवाल यह है कि राज्य अपनी खनिज संपदा का कितना उपयोग कर पा रहा है। उनके अनुसार पिछले 11 वर्षों में झारखंड में केवल 11 खनिज ब्लॉकों की नीलामी हुई और इनमें से अब तक कोई भी परिचालन में नहीं आ सका है।

उन्होंने कहा कि इसके विपरीत ओडिशा में नीलाम किए गए 79 खनिज ब्लॉकों में से 35 परिचालन में आ चुके हैं और वर्ष 2020-21 से 2025-26 के बीच राज्य ने लगभग 87 हजार करोड़ रुपये का नीलामी प्रीमियम अर्जित किया है। उन्होंने झारखंड सरकार से नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों को समयबद्ध तरीके से चालू कराने की मांग की।

उनका कहना था कि खनिज जमीन के नीचे पड़ा रहेगा तो रोजगार, उद्योग, परिवहन, व्यापार और अतिरिक्त राजस्व के अवसर भी सीमित रहेंगे।

19 हजार करोड़ रुपये के जिला खनिज प्रतिष्ठान को विकास में लगाने की मांग

बीडी राम ने कहा कि झारखंड के 24 जिलों में लगभग 19 हजार करोड़ रुपये जिला खनिज प्रतिष्ठान की राशि जमा होने की जानकारी सरकार ने दी है। यह राशि खनन प्रभावित क्षेत्रों और वहां के लोगों के विकास पर खर्च होनी चाहिए।

उन्होंने पेयजल, सड़क, अस्पताल, विद्यालय, सिंचाई, कौशल विकास, स्थानीय रोजगार, महिलाओं और युवाओं की आजीविका, पुनर्वास तथा आधारभूत संरचना पर इस राशि के अधिकतम उपयोग की मांग की। उन्होंने जिला खनिज प्रतिष्ठान की राशि के जिला-वार और परियोजना-वार सार्वजनिक लेखा परीक्षण की भी मांग रखी।

केवल कर बढ़ाने के बजाय उत्पादन और निवेश बढ़ाने पर जोर

सांसद ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा खनिज-युक्त भूमि उपकर से लगभग 7,110 करोड़ रुपये सालाना संभावित आय के मुद्दे पर केंद्र से पुनर्विचार की मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड की आर्थिक मजबूती केवल नए कर लगाने से नहीं, बल्कि खनिज उत्पादन और निवेश बढ़ाने से होगी।

उन्होंने कहा कि खनन परियोजनाएं आर्थिक रूप से व्यवहार्य रहेंगी, नए निवेश आएंगे, उत्पादन बढ़ेगा और नए खनिज ब्लॉक चालू होंगे तो लंबे समय में राज्य का राजस्व आधार भी मजबूत होगा। अत्यधिक और अप्रत्याशित कर भार से परियोजनाओं के अव्यवहारिक होने की स्थिति में राज्य को राजस्व और रोजगार दोनों का नुकसान हो सकता है।

खनन राज्य से ह्लखनिज आधारित औद्योगिक राज्य बनने की जरूरत

बीडी राम ने कहा कि झारखंड को केवल खनिज निकालने वाले राज्य के रूप में नहीं, बल्कि खनिज आधारित औद्योगिक राज्य के रूप में विकसित करना होगा। कोयला, लौह अयस्क, चूना पत्थर, डोलोमाइट और ग्रेफाइट को केवल कच्चे माल के रूप में बाहर भेजने के बजाय राज्य में ही प्रसंस्करण, खनिज परिष्करण, धातु निर्माण और संबंधित उद्योगों की पूरी श्रृंखला विकसित की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि खनिज से इस्पात, सीमेंट, प्रसंस्करण, खनिज संवर्धन, विनिर्माण, लघु एवं मध्यम उद्योग और रोजगार की पूरी श्रृंखला झारखंड में विकसित की जा सकती है।

पलामू के लिए खनिज आधारित उद्योगों की बड़ी संभावना

सांसद ने कहा कि पलामू में कोयला, ग्रेफाइट, चूना पत्थर और डोलोमाइट सहित कई महत्वपूर्ण खनिज उपलब्ध हैं। जिले की औद्योगिक सूची में जपला सीमेंट कंपनी का भी उल्लेख है।

उन्होंने कहा कि पलामू के विकास का स्पष्ट सूत्र होना चाहिए–खनिज संसाधन से उद्योग, उद्योग से रोजगार और रोजगार से स्थानीय विकास। पलामू में खनिज आधारित उद्योगों को पुनर्जीवित और विस्तारित करने की आवश्यकता है।

गढ़वा में भी उद्योग और रोजगार की संभावनाएं

गढ़वा और पलामू में चूना पत्थर तथा डोलोमाइट जैसे खनिजों की पर्याप्त संभावनाओं का उल्लेख करते हुए सांसद ने कहा कि गढ़वा में सीमेंट उद्योग, खनिज प्रसंस्करण, पत्थर एवं डोलोमाइट आधारित उद्योग, परिवहन तथा सहायक उद्योगों को बढ़ावा दिया जा सकता है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

खनन क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ने का दावा

बीडी राम ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद खनन क्षेत्र में ई-नीलामी, वाणिज्यिक कोयला खनन, निजी भागीदारी, अन्वेषण लाइसेंस, महत्वपूर्ण खनिज अभियान, एकल खिड़की स्वीकृति, डिजिटलीकरण और वैज्ञानिक अन्वेषण जैसे कई सुधार किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि लगभग 720 से 725 खनिज ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है और करीब 105 ब्लॉक परिचालन में हैं। इसी प्रकार 141 कोयला खदानों की नीलामी हुई है, जिनमें 23 परिचालन में हैं। उनके अनुसार इससे खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा बढ़ी है।

खनन से प्रत्यक्ष के साथ अप्रत्यक्ष रोजगार भी

सांसद ने कहा कि देश के कोयला क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पांच लाख से अधिक लोग तथा गैर-कोयला खनिज क्षेत्र में एक करोड़ से अधिक लोग रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। झारखंड जैसे खनिज संपदा वाले राज्य में इसका प्रभाव और व्यापक हो सकता है।

उन्होंने कहा कि एक खदान खुलने का अर्थ केवल खदान में रोजगार नहीं है। इसके साथ परिवहन, मशीनरी, होटल, छोटे कारोबार, मरम्मत केंद्र, निर्माण, स्थानीय सेवाएं, ठेका कार्य और कौशल विकास जैसी अनेक आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ती हैं।

विपक्ष के आरोपों पर सांसद का जवाब

बीडी राम ने कहा कि यह कहना उचित नहीं है कि संशोधन विधेयक झारखंड के अधिकार छीनता है। उनके अनुसार राज्य की रॉयल्टी, नीलामी प्रीमियम, जिला खनिज प्रतिष्ठान, राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण न्यास और वस्तु एवं सेवा कर में हिस्सेदारी समाप्त नहीं हो रही है।

उन्होंने कहा कि संशोधन का उद्देश्य खनिज-युक्त भूमि और खनिज अधिकारों पर लगाए जाने वाले नए कर, उपकर और शुल्क के लिए एक समान तथा पूर्वानुमेय व्यवस्था बनाना है, ताकि निवेशकों को परियोजना शुरू करने के बाद अचानक बढ़ने वाले कर या शुल्क को लेकर अनिश्चितता न रहे।

केंद्र और राज्य के संघर्ष के बजाय विकास पर ध्यान

सांसद ने कहा कि इसे केंद्र और राज्य के बीच संघर्ष के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। सहकारी संघवाद का अर्थ यह है कि केंद्र और राज्य मिलकर विकास की ऐसी व्यवस्था बनाएं जिससे निवेश, उत्पादन और रोजगार बढ़े।

उन्होंने कहा कि देश में वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से एक समान अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था बनाई गई है। उसी तरह खनिज क्षेत्र में भी स्थिर, पारदर्शी और पूर्वानुमेय व्यवस्था जरूरी है।

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, ई-नीलामी, वैज्ञानिक अन्वेषण, महत्वपूर्ण खनिजों और कारोबार सुगमता पर जोर दिया गया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि झारखंड की खनिज संपदा जमीन के नीचे की संपत्ति भर न रहे, बल्कि जनता की समृद्धि का आधार बने।

उन्होंने कहा कि खनन से मिलने वाले राजस्व का प्रभाव गांवों में दिखाई देना चाहिए। खनन प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, अस्पताल और विद्यालय की सुविधा हो तथा युवाओं को रोजगार मिले।

बीडी राम ने कहा कि एमएमडीआर संशोधन विधेयक, 2026 को झारखंड के हितों के खिलाफ प्रचारित करना उचित नहीं है। राज्य के सामने आज बड़ा अवसर है–खनिज ब्लॉक चालू हों, निवेश आए, उद्योग लगें, रोजगार मिले और जिला खनिज प्रतिष्ठान की राशि से खनन प्रभावित क्षेत्रों का विकास हो। उन्होंने कहा, ह्लखनिज संपदा झारखंड की ताकत है–इसे रोजगार, उद्योग और जनकल्याण में बदलना हमारी जिम्मेदारी है।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति साहिबगंज शाखा ने सावन सिंधारातीज उत्सव मनाया

संवाददाता

साहिबगंज : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति शाखा द्वारा मारवाड़ी धर्मशाला में सावन सिंधारा,तीज उत्सव एवं स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती रुचि भरतिया व सचिव श्रीमती नीलम शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में बच्चों के लिए विभिन्न खेल एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। महिलाओं के लिए दो सहेलियाँ,सास-बहू व ननद-भाभी जैसी रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।जिनमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रतियोगिता में महिलाओं और बच्चों ने अनेक पुरस्कार जीते।सावन सिंधारा की परंपरा को निभाते हुए समिति की वरिष्ठ सदस्यों ने कनिष्ठ सदस्यों का सिंधारा कर स्नेह एवं अपनत्व का संदेश दिया।इस अवसर पर गेम्स स्टॉल,गिफ्ट स्टॉल एवं फूड स्टॉल भी लगाए गए,जिनका सभी आगंतुकों ने भरपूर आनंद लिया।समिति की तरफ से झूला भी लगवाया गया,जिसका महिलाओं और बच्चों ने खूब मजे किये।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. सृजा एवं ब्रह्मकुमारी संस्था की बिंदु दीदी थीं।अतिथियों का स्वागत दीप प्रज्वलन के साथ किया गया तथा उन्हें प्लांट पॉट एवं दुपट्टा भेंट कर सम्मानित किया गया।मिडिया प्रभारी किरण दिवान ने बताया कि तीज उत्सव कार्यक्रम हर वर्ष सावन में समिति की तरफ से भव्य रुप से बनाया जाता है।कार्यक्रम में समिति की सदस्यगण लीला पौदार,श्यामलता केजरीवाल,ममता केजरीवाल, किरण दीवान,नेहा डोकानिया, प्रतिमा चिरानिया, खुशबू भगत, सपना दीवान,प्रीति चौधरी,मंजू केजरीवाल, शशी जाजोदिया, ऊषा शर्मा, चंदा शर्मा, मधु डोकानिया, बीना दीवान एवं सांता सोडानी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहीं।

कृषक हाट के दुकानदारों को 30% बकाया करना होगा जमा

धनबाद : हीरापुर कृषक हाट के दुकानदारों और बाजार समिति के बीच चल रहा किराया विवाद अब हाईकोर्ट पहुंच गया है। बाजार समिति की ओर से जारी नोटिस के खिलाफ दुकानदारों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने दुकानदारों को बकाया किराये की 30 प्रतिशत राशि तीन सप्ताह के भीतर जमा करने का निर्देश दिया है। इसके बाद अगले तीन सप्ताह में बकाया राशि का 20 प्रतिशत जमा करना होगा। कोर्ट ने बाजार समिति को भी मामले में आठ सप्ताह के भीतर काउंटर फाइल करने का निर्देश दिया है। इसके तहत समिति को किराया वसूली से संबंधी नोटिस और अन्य दस्तावेज कोर्ट में प्रस्तुत करने होंगे। बता दें कि हीरापुर कृषक हाट में कुल 58 दुकानें हैं। बाजार समिति के अनुसार इनमें से केवल एक-दो दुकानदार ही नियमित किराया जमा कर रहे हैं। अधिकतर दुकानदारों पर लंबे समय से किराया बाकी है। हाट के अगले हिस्से में 25 दुकानें हैं, जिनमें नौ दुकानदारों पर किराया बकाया होने की बात समिति ने कही है। समिति के अनुसार बकाया किराये की वसूली के लिए दुकानदारों को तीन बार नोटिस दिया जा चुका है। इसके बावजूद भुगतान नहीं होने पर मामला कोर्ट पहुंचा। समिति का कहना है कि दुकानों का किराया निर्धारित प्रक्रिया के तहत लिया जाता है और लंबे समय से बकाया रहने से समिति की आय प्रभावित हो रही है। अब हाईकोर्ट के निर्देश के बाद दुकानदारों द्वारा बकाया राशि जमा करने और बाजार समिति की ओर से काउंटर दाखिल करने की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी।

ग्रिजली विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की गूंज

शानदार मार्च-पास्ट, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राष्ट्रभक्ति के संदेश से गूंजा विद्यालय परिसर

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस उत्साह, उमंग एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या अंजना कुमारी द्वारा परेड निरीक्षण से हुआ। इसके पश्चात ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में विद्यालय के उत्तर, दक्षिण, पूर्व एवं पश्चिम हाउस के विद्यार्थियों ने शानदार मार्च-पास्ट प्रस्तुत कर अनुशासन एवं देशभक्ति की भावना का परिचय दिया। कमांडर अमरदीप के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने प्रभावशाली मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया, जिसका सफल संचालन एवं पर्यवेक्षण आलोक कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। मार्च-पास्ट में विभिन्न हाउस का प्रतिनिधित्व करते हुए वेस्ट हाउस कैप्टन सुधांशु कुमार, ईस्ट हाउस कैप्टन हमीद रजा, साउथ हाउस कैप्टन नवनीत आनंद एवं नॉर्थ हाउस कैप्टन अभिषेक यादव ने अपने-अपने दल का नेतृत्व किया। अपने संबोधन में प्राचार्या अंजना कुमारी ने कहा कि स्वतंत्रता कोई उपहार नहीं, बल्कि बलिदान, साहस और संघर्ष से अर्जित की गई अमूल्य धरोहर है। उन्होंने विद्यार्थियों से जाति एवं धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्र को प्राथमिकता देने, स्वच्छता एवं शिष्टाचार अपनाने तथा अपनी व्यक्तिगत सफलता को राष्ट्र की प्रगति से जोड़ने का आह्वान किया। इसके पश्चात विद्यालय के ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पिहू एवं समूह द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से

हुई। इसके बाद रोनित एवं समूह ने समूह गीत, आराध्या ने अंग्रेजी भाषण तथा अर्शी बरनवाल ने मनमोहक एकल नृत्य प्रस्तुत किया। प्री-प्राइमरी एवं प्राइमरी विद्यार्थियों की आकर्षक फैंसी ड्रेस प्रस्तुति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। यूकेजी के छात्र अविर्भाव ने भगत सिंह, यूकेजी की छात्रा आरोही ने रानी दुर्गावती तथा कक्षा 5 के छात्र अवनीश ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भूमिका प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। इन प्रस्तुतियों की तैयारी में शिक्षिकाओं श्वेता प्रियंवदा, श्वेता प्रकाश एवं रिम्मी चटर्जी का विशेष योगदान रहा। इसके पश्चात शौर्य गुप्ता ने हिंदी भाषण, अनुष्का यादव ने प्रभावशाली रोल-प्ले, कुशली हर्ष एवं तन्वी ने कविता पाठ तथा परिधि एवं समूह ने शानदार समूह नृत्य प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में देशप्रेम, संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। कार्यक्रम की सजावट में कला शिक्षकों सिंपल शर्मा एवं संजय कुमार का सराहनीय योगदान रहा। मंच संचालन सुहानी, अरहम एवं लक्ष्य ने शिक्षिका मनीषा चंद्रा के निर्देशन में प्रभावी ढंग से किया। संपूर्ण आयोजन में सीसीए समन्वयक कुमारी एकता, प्रीति जगणाणी एवं स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर प्रीतम हरि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय सिंह, जितेन्द्र चौधरी, बी.डी. नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, बनानी नियोगी, वंदना, साहिल, अमित मुर्मू, अनुप मोदी, दीपक नायक, नागेंद्र कुमार, कुमार राजीव, कृष्णा, नरेश, अमरेश, मनीष, आर.डी. पांडेय, एवली, महिमा, श्रुति, आरती, संदीप, रामाकांत, रूपेश, सुधीर, श्वेता प्रियंवदा, अल्पना, पूजा, विकास यादव, कुमार हर्ष, सौरव केशरी, अमरदीप पांडेय, शीतल केशरी सहित विद्यालय के अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह का वातावरण पूरे समय देशभक्ति, उत्साह एवं राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत रहा।